।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 22 अंक - 53

नर्मदापुरम
मंगलवार, 09 दिसंबर 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर प्रदेश में दो लाख करोड़ के कार्यों का करेंगे भूमि-पूजन और लोकार्पण : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल को 21 को मिलेगी मेट्रो की सौगात

वर्ष 2026 कृषि आधारित क्षेत्रों के उत्थान के लिए समर्पित

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुन्देलखंड में केन-बेतवा नदी जोड़ो अभियान के माध्यम से बुन्देलखंड में सिंचाई, उद्योग, पेयजल के लिए जो जल की कमी थी उसे पूरा किया जाएगा। नदी जोड़ो अभियान के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 90 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। नदी जोड़ो अभियान के माध्यम से सिंचाई, उद्योग के लिए पर्याप्त जलराशि का प्रबंध किया जाएगा। नदी जोड़ो अभियान की प्रगति में मध्यप्रदेश सबसे अग्रणी राज्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को खजुराहो के कन्वेंशन सेंटर में विभागीय समीक्षा बैठक के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड समेत समूचे मध्यप्रदेश में पर्यटन को बढ़ाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। छतरपुर में ओबेरॉय होटल का शुभारंभ इसी की एक कड़ी है। उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड में पर्यटन के साथ-साथ खनन एवं मेडिकल के क्षेत्र में विकास के लिये अनेक कार्य किये जा रहे है।

सीएम ने कहा कि सरकार के माध्यम से बुन्देलखंड का विकास एवं उत्थान के लिये कार्ययोजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड कैसे आगे बढ़े इस पर लगातार सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड में उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास एवं उत्थान के लिए सरकार कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुन्देलखंड शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सागर में रानी अवंतिबाई महाविद्यालय का निर्माण, छत्रसाल विश्वविद्यालय के लिए धनराशि का आवंटन, पीएम एक्सीलेंस कॉलेजों की स्थापना की गई है। इसी के साथ बुन्देलखंड अंचल में मेडिकल कॉलेज की भी स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से दक्ष प्रत्येक विद्यार्थी को रोजगार मिले, इस दिशा में सरकार लगातार कार्य कर रही है। सीएम ने कहा कि सरकार और जनता के बीच दूरी कम करने के लिए अब अलग-अलग क्षेत्रों के विकास के लिए उन्हीं क्षेत्रों में कैबिनेट मीटिंग आयोजित की जाएगी। खजुराहो में आयोजित कैबिनेट बैठक इसी दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

सीएम ने कहा कि विभागीय समीक्षा में विगत दो वर्षों के कार्यों की समीक्षा और आने वाले तीन साल के लक्ष्य तय करने का निर्णय किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी माह की 21 तारीख को भोपाल नगर को मेट्रो की सौगात दी जाएगी। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर सरकार द्वारा लगभग दो लाख करोड़ के अलग-अलग कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि वर्ष 2026 कृषि के संबंधित विभिन्न क्षेत्रों के विकास एवं उनके उत्थान के लिए समर्पित होगा। कृषि से आय के साधन बढ़ानेकृषि आधारित उद्योगों की स्थापना, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना समेत सभी कृषिगत औद्योगिक गतिविधियों से कृषि क्षेत्र के विकास के लिए सतत कार्य वर्षभर किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आज खजुराहो में होगी मंत्रि-परिषद की बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने पूरे मंत्री-मंडल के साथ दो दिवसीय खजुराहो प्रवास पर हैं। प्रवास के दूसरे दिन मंगलवार को कन्वेंशन सेंटर खजुराहो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक होगी। मुख्यमंत्री महाराजा कन्वेंशन सेंटर में महाराजा छत्रसाल और सरदार वल्लाभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव छतरपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र राजनगर के सती की मढ़िया में आयोजित महिला सम्मेलन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सम्मेलन में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में प्रदेश की एक करोड़ 26 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में लगभग 1857 करोड़ 62 लाख रुपये अंतरित करेंगे। साथ ही विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगे 1857 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना

योजना के उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, परिवार में उनके निर्णय अधिकार को मजबूत करना तथा स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सतत सुधार सुनिश्चित करना है। इस योजना में मध्यप्रदेश की स्थानीय निवासी विवाहित महिलाओं के साथ ही निर्धन, विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिलाएं भी शामिल हैं। आवेदन वर्ष के आधार पर 1 जनवरी की स्थिति में 21 से 59 वर्ष तक की आयु की महिलाएं पात्रता के दायरे में आती हैं।

योजना की शुरुआत में एक हजार रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी, जिसे अक्टूबर 2023 में बढ़ाकर 1,250 रुपये किया गया। इसके बाद नवंबर 2025 से राशि में पुनः 250 रुपये की वृद्धि लागू की गई। वर्तमान में सामान्य हितग्राही महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त कर रही महिलाओं को 900 रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त अगस्त 2023, अगस्त 2024 और अगस्त 2025 में तीन बार 250 रुपये की विशेष सहायता राशि भी बहनों को प्रदान की जा चुकी है।

योजना प्रारंभ जून 2023 से नवंबर 2025 तक योजना की 30 किस्तों का नियमित अंतरण किया जा चुका है और दिसंबर 2025 में 31वीं किस्त का भुगतान किया जा रहा है। यह सभी भुगतान डीबीटी के माध्यम से आधार-सक्रिय बैंक खातों में किए जाएंगे, जिससे लाभार्थियों को राशि सीधे और सुरक्षित प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना नेशनल पार्क में 10 नई कैंटर बसों को दिखाई हरी झंडी

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार सुबह पन्ना नेशनल पार्क के मडला गेट से 10 नई वीविंग कैंटर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अब इन बसों के जरिए पर्यटक जंगल सफारी का रोमांचक अनुभव और अधिक सुविधाजनक तरीके से ले सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन की सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा हैं।

मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों को एक और सौगात देते हुए प्रदेश के विभिन्न राष्ट्रीय उद्यानों में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अहम कदम उठाया है। जंगल सफारी के लिए 10 नई आरामदायक वीविंग कैंटर बसें उपलब्ध करायी हैं। इन कैंटर बसों में एक साथ 19 पर्यटकों के बैठने की क्षमता है। यह बसें अन्य सफारी वाहनों की तुलना में अधिक लंबी और ऊंची हैं, जिससे पर्यटकों को बेहतर दृश्य और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए ये बसें अधिक सुरक्षित मानी जा रही हैं। इन बसों की लंबाई और ऊंचाई भी अधिक है, जिससे सफर के दौरान पर्यटकों को ज्यादा जगह और आराम मिलता है। वहीं बच्चों और सीनियर सिटिज़न्स के लिए यह बसें सुरक्षित और अनूठा अनुभव प्रदान करेंगी। इन बसों में बैठकर पर्यटक न केवल वन्यजीवों के विचरण का नज़ारा देख सकेंगे, बल्कि जंगल सफारी का एक सुखद और यादगार अनुभव भी कर सकेंगे।

एक साथ 19 पर्यटक ले सकेंगे अब जंगल सफारी का आनंद

ऑनलाइन बुकिंग न होने पर पर्यटकों को मिलेगी पार्क राउंड की सुविधा

10 नई वीविंग कैंटर बसों के संचालन से उन पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। ऑनलाइन बुकिंग न होने पर भी जंगल सफारी के आनंद और अनुभव से वंचित नहीं होंगे। ऑनलाइन स्लॉट जल्दी भर जाने से पर्यटकों को नेशनल पार्क पहुंचकर भी सफारी से वंचित होने जैसी असुविधा अब नहीं होगी।

सीएम ने मंदिर परिसर में लाइट एंड साउंड-शो देखा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को विभिन्न विभागों की समीक्षा के बाद विश्व धरोहर खजुराहो के पश्चिमी मंदिर समूह में आयोजित लाइट एवं साउंड-शो देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सर्वप्रथम मंदिर समूह में दिव्यांगजनों के लिए लिफ्ट का शुभारंभ भी किया। लाइट एंड साउंड-शो के माध्यम से खजुराहो के विश्व धरोहर मंदिरों, चंदेलवंश के गौरवशाली इतिहास और बुंदेलखंड की समृद्ध लोक संस्कृति को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन बुंदेलखंड की कला-संस्कृति को संरक्षित करने के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री लखन सिंह पटेल सहित मंत्रीगण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खजुराहो में सांस्कृतिक गांव एवं जनजातीय लोक कला राज्य संग्रहालय आदिवर्त का भ्रमण किया। इस मौके पर अलीराजपुर एवं डिंडोरी के कलाकारों के दल द्वारा भगोरिया एवं गुदुमबाजा पारंपरिक लोक नृत्य की मनमोहक एवं आकर्षक प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदिवर्त संग्रहालय खजुराहो में नवनिर्मित पारंपरिक कलाओं के गुरुकुल का लोकार्पण भी किया। संग्रहालय में जनजातीय लोक संस्कृति एवं परंपरा पर केन्द्रित विभिन्न लोक कलाओं और नित दिन उपयोग की सामग्री का प्रदर्शन किया गया है।

नवजोत सिद्धू की पत्नी कांग्रेस से सस्पेंड

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता नवजोत सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक नवजोत कौर की तरफ से सीएम की कुर्सी को लेकर दिए गए बयान के बाद पंजाब कांग्रेस की तरफ से ये कदम उठाया गया है। पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग द्वारा डॉ. नवजोत कौर को पार्टी से सस्पेंड किया गया है। कांग्रेस प्रधान राजा वड़िंग ने उनकी प्राइमरी मेंबरशिप को सस्पेंड करने का ऑर्डर जारी किया। इसमें सस्पेंशन की कोई वजह नहीं बताई गई है। वड़िंग ने उनको सस्पेंड करने का आदेश सोशल मीडिया पर डाल दिया। बता दें कि नवजोत कौर की तरफ से 2 दिन पहले चंडीगढ़ में गवर्नर गुलाब चंद कटारिया से मिलीं थी। उनसे सवाल किया गया कि आपने पैसे देने की बात कही है, क्या आपसे किसी पार्टी ने पैसे की मांग की है?

अंतर्मना उवाच

पुरूषार्थ करने से हम लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं, लेकिन सद्गुण होने से हम खुद लक्ष्य बन सकते हैं..!

जीवन में पुरूषार्थ के साथ सद्गुण होना बहुत जरूरी है। बुद्धिमान होने और कठिन परिश्रम करने से ही हमें सफलता नहीं मिल जाती। सफलता के लिए 85 फ़ीसदी जीवन मूल्य और सद्गुण का होना बहुत जरूरी है। ***आपके सद्गुण और योग्यता से जीवन के अनेक सौभाग्य के द्वार खुल सकते हैं।*** *आये दिन हम पढ़ते, सुनते और देखते हैं कि बड़े कद पद वाला व्यक्ति एक छोटी सी चारित्रिक गल्तियों की वजह से पद से च्युत हो जाता है या पद को छोड़ना पड़ता है।* ***अनेक वर्षों की मेहनत से प्राप्त किया नाम, कीर्ति, शोहरत एक छोटी सी गलती के कारण पूरे जीवन के मान सम्मान को, इज्जत प्रतिष्ठा को अर्श से फर्श पर ले आती है।*** *हम उन्नति को ही सफलता का मापदंड मान लेते हैं लेकिन यह हमारी सबसे बड़ी भूल है।*

जीवन में जब अनेक तरह की सफलतायें एक साथ होती है, तभी वह सफलता कहलाती है। ***सफलता का मतलब सिर्फ पास होना नहीं है या पैसा कमाना नहीं है,, सफलता का मतलब है कि आपके सद्गुण की खुशबू से सारा वातावरण सद्गुण मय हो जाये...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

दिल्ली में विहिप की बड़ी बैठक आज, बड़ा फैसला ले सकते हैं शंकराचार्य

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के एक विधायक हुमायूं कबीर के द्वारा बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने से विवाद बढ़ गया है। बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने के बीच विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने देश के शीर्ष संतों की एक आपात बैठक दिल्ली में बुलाई है। दिल्ली में 9-10 दिसंबर को होने वाली इस दो दिवसीय बैठक में देश के कुछ शंकराचार्यों के साथ लगभग 250 संत हिस्सा ले सकते हैं। बैठक में बाबरी मस्जिद के निर्माण के बाद की परिस्थितियों में बड़ा फैसला लिया जा सकता है। बैठक में सनातन धर्म के सभी शाखाओं-उपशाखाओं के संत हिस्सा लेंगे। इसमें विहिप के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार भी शामिल होंगे।

संसद में गूंजा वंदे मातरम्

पीएम मोदी ने बताया 'विजय का मंत्र', बोले- इसका स्मरण करना हम सबका सौभाग्य

नई दिल्ली ■ एजेंसी

18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र के 8वें दिन सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में 'वंदे मातरम्' पर चर्चा की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह केवल एक गीत या राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम और मातृभूमि की आजादी के लिए एक पवित्र संघर्ष का प्रतीक था। मैं सभी का आभार करता हूं कि हमने इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक सामूहिक चर्चा का रास्ता चुना है। जिस मंत्र, जिस जयघोष ने देश के आजादी के आंदोलन को ऊर्जा, प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था उस वंदे मातरम् का स्मरण करना हम सबका सौभाग्य है।

पीएम मोदी ने लोकसभा में कहा, 'बंकिम दा ने जब 'वंदे मातरम्' की रचना की तब स्वाभाविक ही वह स्वतंत्रता आंदोलन का पर्व बन गया। तब पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण, 'वंदे मातरम्' हर भारतीय का संकल्प बन गया। इसलिए वंदे मातरम् की स्तुति में लिखा गया था कि मातृभूमि की स्वतंत्रता की वेदी पर, मोद में स्वार्थ का बलिदान है। यह शब्द 'वंदे मातरम्' है। सजीवन मंत्र भी, विजय का विस्तृत मंत्र भी। यह शक्ति का आह्वान है। यह 'वंदे मातरम्' है। उष्ण शोणित से लिखो, वत्स स्थली को चीरकर वीर का अभिमान है। यह शब्द 'वंदे मातरम्' है।

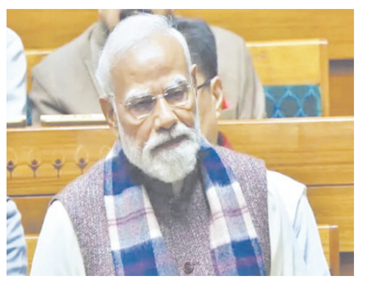

संसद में टोकने पर राजनाथ गुस्से से लाल, स्पीकर से कहा- इन्हें रोकना होगा

लोकसभा में आज वंदे मातरम पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान संसद की मर्यादा तोड़ने को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नाराजगी प्रकट की। उन्होंने भाषण के दौरान टोके जाने पर लगभग डांटने के स्वर में पूछा, 'कौन बैठाएगा, क्या बात करते हो, चुप रहो?' उन्होंने स्पीकर ओम बिरला से कहा कि सदन की मर्यादा तोड़ने वाले ऐसे लोगों को रोकना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'संसद में चाहे जो बोले, सच बोले या सत्य से थोड़ा परे भी बोले, लेकिन शोरशराबा नहीं मचाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि बाद में जब भी बोलने का अवसर मिले आप प्रतिकार कर सकते हैं। लंबी संसदीय पारी और अनुभव की तरफ ध्यान दिलाते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, 'संसद की ये मर्यादा है।

राज्यसभा : सर्वाइकल कैंसर से हर साल हो रही है 75 हजार महिलाओं की मौत

नई दिल्ली। हर साल सर्वाइकल कैंसर से देश में लगभग 75 हजार महिलाओं की मौत हो रही है। सोमवार को यह जानकारी राज्यसभा में दी गई। इस गंभीर विषय पर जानकारी देते हुए राज्यसभा सांसद सुलता देव ने कहा कि हर साल करीब 1 लाख 25 हजार महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की पहचान होती है, इनमें से 75 हजार महिलाओं की मृत्यु हो जाती है। इस मृत्यु के आंकड़े को रोकने व सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के वैक्सीनेशन का विषय सदन में उठाया। बीजू जनता दल की राज्यसभा सांसद सुलता देव ने सदन को बताया कि सर्वाइकल कैंसर एक बहुत बड़ा विषय है। यह ऐसा है जिससे महिलाएं प्रभावित होती हैं। उन्होंने राज्यसभा सभा में कहा कि सर्वाइकल कैंसर से हर साल देश में 75 हजार महिलाओं की मृत्यु भी हो रही है। सुलता देव ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन मौजूद है जिससे इस बीमारी को रोका जा सकता है। यह एक विशेष वायरस होता है जिसके कारण सर्वाइकल कैंसर होता है। इस वायरस से लड़ने के लिए वैक्सीन मौजूद है। वैक्सीन से काफी प्रिवेंशन हो सकता है और ऐसे में सरकार का यह दायित्व है कि वह यह वैक्सीन मुहैया करवाए। वैक्सीन उपलब्ध करवाने के लिए सरकार को आगे बढ़कर आना चाहिए।

इंडिगो की बड़ी घोषणा

कैंसिल हुई फ्लाइट्स का मिलेगा पूरा रिफंड

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो द्वारा बीते कुछ दिनों में हुई भारी अव्यवस्था और हजारों यात्रियों की परेशानी के एक अहम घोषणा की गई। एयरलाइन ने स्पष्ट किया है कि 3 से 15 दिसंबर के बीच जो भी उड़ानें रद्द हुई हैं, उनका पूरी रिफंड मिलेगा, जिसकी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इसके साथ ही कंपनी ने यह राहत भी दी कि टिकट रीशेड्यूल करने या कैंसिल करने पर अब यात्रियों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा- 'आपको हुई असुविधा के लिए हम दिल से क्षमाप्रार्थी हैं। हमारी टीमें परिचालन को सामान्य स्थिति में लाने के लिए पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।'

48 घंटे पहले से रिफंड, संकट की गंभीरता का संकेत

इंडिगो ने अपने नए अपडेट में एक और महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए रिफंड की प्रभावी तिथि को 5 दिसंबर से घटाकर 3 दिसंबर कर दिया है। यानी अब 5 दिसंबर के बजाय 3 दिसंबर से रिफंड दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार यह कदम बताता है कि एयरलाइन पर परिचालन संकट कितना गहरा था। शनिवार को कंपनी ने घोषणा की थी कि 5 से 15 दिसंबर के टिकटों पर 'नो क्वेश्चन आस्क्ड पॉलिसी' लागू होगी और यात्रियों को पूर्ण रिफंड दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एमएसएमई विभाग के दो वर्ष के कार्यों की समीक्षा की

ग्वालियर में 2 लाख करोड़ की इकाइयों का इस माह के अंत तक होगा भूमिपूजन और शुभारंभ

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एमएसएमई विभाग के अधिकारियों से कहा है कि वे इंदौर और भोपाल मेट्रोपॉलिटन सिटी के दृष्टिगत विकसित औद्योगिक क्षेत्रों को उद्योग जगत के बीच इस तरह से प्रचारित और प्रस्तुत करें, जिससे अधिक से अधिक औद्योगिक इकाइयां स्थापित हों तथा व्यापक निवेश और रोजगार सृजित हो सकें। उन्होंने उद्योग वर्ष के समापन पर इस माह के अंत तक ग्वालियर में लगभग 2 लाख करोड़ निवेश वाली इकाइयों के भूमिपूजन औद्योगिक भूखंड आवंटन, शुभारंभ आदि का व्यापक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने एमएसएमई के पंजीकरण में जबरदस्त 31प्रतिशत की ग्रोथ पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे पिछले दो वर्ष में छोटे उद्योगों के लिए राज्य शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए शानदार वातावरण का उदाहरण बताया। उन्होंने फूड पार्क सहित अन्य ग्रामीण और कुटीर उद्योगों को भी एमएसएमई से जोड़ने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को खजुराहो में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के गत 2 वर्ष के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप, मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विगत दो वर्ष में मध्यप्रदेश में एमएसएमई और स्टार्टअप के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। प्रदेश में इस अवधि में कई लाख करोड़ का निवेश आया है और नवीन औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन और शुभारंभ हुआ है।

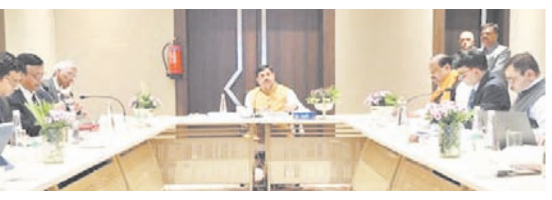

एमपी पुलिस की नकली नोट के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

उज्जैन व नीमच में 18 लाख के नकली नोट बरामद, 3 गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस को नकली नोट के अवैध कारोबार के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। उज्जैन एवं नीमच पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाईयों में कुल 18 लाख रूपये के नकली नोट जब्त करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों से राज्य में सक्रिय नकली नोट नेटवर्क पर बड़ा प्रहार हुआ है। थाना चिमनगंज मंडी एवं क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 17 लाख 50 हजार रूपए के नकली 500 के नोट बरामद किए गए है। पूछताछ में उज्जैन-इंदौर के बीच सक्रिय एक संगठित नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

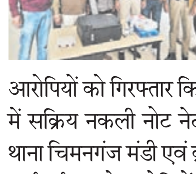

संक्षिप्त समाचार

इंडिगो संकट के दौरान बस ऑपरेटरों ने भी बढ़ा दिया किराया

भोपाल। शादियों का सीजन, क्रिसमस के चलते ट्रेनों में कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा है। लंबी दूरी की ट्रेनों में लंबी वेटिंग और नो रूम प्रदर्शित हो रहे हैं। ऐसे में इंडिगो विमान कंपनी में मचे बवाल के चलते कई फ्लाइट भी निरस्त हैं। ऐसे में यात्रियों की इस आपदा को विमानन कंपनियों के साथ ही निजी बस ऑपरेटरों ने अवसर बना लिया है। आपदा में अवसर का गणित ऐसा है कि आम दिनों में मंदी झेलने वाले निजी ऑपरेट, टूर एंड ट्रैवल्स वालों ने इन दिनों लंबी दूरी के लिए संचालित लग्जरी, वाल्वो बसों का किराया भी 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि इन दिनों शादियों का सीजन है। ऐसे में ट्रेनों में आरक्षित सीटें नही मिल रही हैं। ऐसे में इंडिगो में फ्लाइट प्रभावित होने से दूसरी विमान कंपनियों ने किराया बढ़ा दिया है। ऐसे अधिकांश लोग विकल्प के रूप में लग्जरी व वाल्वो बसों से सफर करने बुकिंग कराने पहुंच रहे। कुछ टूर एंड ट्रैवल्स के जरिए टिकट बुक करा रहे हैं। ऐसे में उन्हें बसों का टिकट भी महंगा खरीदना पड़ रहा है।

महापौर ने किया पंडित शीतल प्रसाद तिवारी पुस्तकालय का औचक निरीक्षण

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने शिवाजी नगर स्थित पं. शीतल प्रसाद तिवारी पुस्तकालय का औचक निरीक्षण किया और पुस्तकालय में पाठकों की सुविधा हेतु उपलब्ध पुस्तकों, कम्प्यूटर्स, इंटरनेट वाईफाई आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की साथ ही पाठकों से भी चर्चा की। महापौर श्रीमती राय ने अपने समक्ष ही इंटरनेट चालू कराया और पुस्तकालय की सभी व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद योगेन्द्र सिंह चौहान ''गुड्डू'', पार्षद श्रीमती शिखा गोहल व निगम अधिकारी व पाठकगण मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने शिवाजी नगर 05 नंबर स्टॉप स्थित पं. शीतल प्रसाद तिवारी पुस्तकालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती राय ने पुस्तकालय में पुस्तकों की उपलब्धता के साथ कंप्यूटर, इंटरनेट, वाईफाई सहित अन्य सुविधाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की साथ ही पुस्तकालय में मौजूद पाठकगणश्वविद्यार्थियों से भी चर्चा कर पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया और उनके अध्ययन के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने अपने समक्ष ही तकनीकी खराबी के कारण बाधित इंटरनेट व्यवस्था को चालू कराया और निर्देशित किया कि पाठकगण,विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय में और अधिक बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

12 हजार से ज्यादा दैवेभो को किया जाएगा नियमित

भोपाल। भोपाल नगर निगम में लंबे समय से कार्यरत दैनिक वेतन भोगी (दैवेभो) कर्मचारियों और विनियमित कर्मियों के भविष्य को लेकर बड़ा निर्णय लिया जाने वाला है। निगम में 12 हजार से अधिक दैवेभो कर्मचारियों के विनियमितिकरण और 1215 विनियमित कर्मचारियों को नियमित करने की तैयारी तेज हो गई है। इस संबंध में निगम अधिकारियों ने प्रस्ताव का मसौदा तैयार करना शुरू कर दिया है, जिसे 30 दिसंबर को होने वाली परिषद की बैठक में रखा जाएगा। निगम परिषद का मानना है कि यह मुद्दा सालों से लंबित है और कर्मचारियों को उनके अधिकार मिलने चाहिए। कई दैवेभो कर्मचारी 10 से 15 वर्षों से 29 दिवसीय व्यवस्था में कार्य कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें स्थाई कर्मचारी का दर्जा नहीं मिल सका। प्रस्ताव पास होने के बाद इसे शासन की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा, जिसके बाद प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाया जाएगा। महापौर मालती राय पहले ही बैठक में इस प्रस्ताव को लाने की घोषणा कर चुकी हैं। वहीं, परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने पुष्टि की है कि अगली बैठक में नियमितिकरण और विनियमितिकरण से जुड़ा प्रस्ताव लाया जाएगा। कर्मचारियों में अब एक बार फिर उम्मीद जगी है कि लंबे इंतजार के बाद उन्हें स्थायित्व का लाभ मिल सकेगा।

अगले साल जनवरी में शुरू होगा निशातपुरा रेलवे स्टेशन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल को निशातपुरा के रूप में पांचवां रेलवे स्टेशन जल्द मिल सकता है। रेलवे ने तैयारियां तेज कर दी हैं और निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, जनवरी 2026 से स्टेशन का संचालन शुरू करने का लक्ष्य तय कर लिया गया है। स्टेशन शुरू होते ही भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा। इससे प्लेटफार्म पर भीड़ घटेगी और ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार आएगा। इससे करोंद, लालघाटी, गांधी नगर, अयोध्या नगर, आनंद नगर, भीमनगर व आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अगर भोपाल स्टेशन पर समाप्त होने वाली कुछ ट्रेनों का टर्मिनेशन निशातपुरा तक बढ़ाया जाता है, तो इंजन रिवर्सल की जरूरत खत्म हो जाएगी।

आज से हस्तशिल्प सप्ताह शुरु

हैंडीक्राफ्ट्स वीक मानने का उद्देश्य कारीगरों के कौशल और भावना का सम्मान करना है

भोपाल ■ निसं

आज से 14 दिसंबर तक हैंडीक्राफ्ट्स वीक शुरु हो रहा है यह सप्ताह भारत के हस्तशिल्प हमारी सांस्कृतिक विरासत का जीता-जागता उदाहरण हैं, जो 30 लाख से ज़्यादा लोगों की रोज़ी-रोटी का सहारा हैं, जिसमें 70% से ज़्यादा महिलाएं काम करती हैं। यह सेक्टर न सिर्फ़ आय का ज़रिया है, बल्कि पहचान, मज़बूती और गर्व का प्रतीक भी है। नेशनल हैंडीक्राफ्ट्स वीक, जो 1950 के दशक से मनाया जाता है, हैंडीक्राफ्ट्स वीक मानने का उद्देश्य कारीगरों के कौशल और भावना का सम्मान करना है। यह उनकी विरासत का जश्न मनाने और

भारत की कारीगरी की विरासत को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को फिर से पक्का करने का एक अवसर भी है।

हैंडीक्राफ्ट्स वीक अभियान का मकसद पूरे भारत में शिल्पकारों के लिए पहचान, बाज़ार तक पहुंच और आय को बढ़ाना है, साथ ही 'स्वदेशी' की भावना को भी मज़बूत करना है। इस तरह की पहल से सरकारी विभागों, पी एस यू, बैंकों, कॉर्पोरेट संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग संघों और आम जनता की हस्तशिल्प की खरीदी ओर उनके संवर्धन को बढ़ावा मिलता है। हस्तशिल्प उत्पाद की खरीदी के लिए IndiaHandmade.com की वेब साईट पर जा सकते हैं यह सरकार द्वारा समर्थित एक डिजिटल मार्केटप्लेस है जो कारीगरों को सीधे खरीदारों से जोड़ता है। इसके अलवा सरकारी खरीद हेतु हस्तशिल्प वस्तुओं की सोर्सिंग के लिए GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) का उपयोग किया जा सकता हैं। हस्तशिल्प को बढ़ावा देंने ओर ऑफिस की सजावट, आधिकारिक उपहार, मेहमाननवाज़ी, फर्नीचर, पुरस्कार, यादगार चीज़ें, त्योहारों पर उपहार आदि के लिए हस्तशिल्प उत्पादों को अपनाया जा सकता है। आधिक संख्या में हस्तशिल्प की खरीद के लिए, सीधे कारीगर उत्पादक कंपनियों, स्वयं सहायता समूहों और शिल्प समूहों से सम्पर्क किया जा सकता है इस तरह कर प्रयासों से हस्तशिलिप्यो को उचित मूल्य सुनिश्चित किया जा सके।

इस हस्तशिल्प सप्ताह के दौरान, मध्य प्रदेश की विविध और उत्कृष्ट शिल्पकलाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है: गोंड पेंटिंग - आदिवासी कला जो जीवंत प्रकृति, जानवरों और लोककथाओं को दर्शाती है मंडला लोक पेंटिंग - एक समृद्ध ग्रामीण पेंटिंग परंपरा जो स्थानीय संस्कृति को दर्शाती है जबलपुर पत्थर शिल्प - सजावट और उपयोगिता दोनों वस्तुओं के लिए बढ़िया पत्थर की नक्काशी भोपाल ज़री कढ़ाई - सुंदरता और विरासत के लिए जानी जाने वाली जटिल धागे की कढ़ाई सीहोर के लकड़ी के खिलौने - कुशल कारीगरों द्वारा बनाए गए पर्यावरण के अनुकूल खिलौने और लकड़ी की कलाकृतियाँ दतिया और टीकमगढ़ के बेल मेटल शिल्प - एक मजबूत सांस्कृतिक पहचान वाला पारंपरिक धातु शिल्प मध्य प्रदेश का बाघ प्रिंट - बाघ गाँव की एक पारंपरिक हैंड-ब्लॉक प्रिंटिंग कला ये शिल्प न केवल सुंदरता का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सदियों पुरानी परंपरा का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा

हर पात्र हितग्राही तक खाद्यान्न योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचना सुनिश्चित हो : मुख्यमंत्री

ई केवाइसी एवं राइट फुल टारगेटिंग के बेहतर कार्य पर दी बधाई

भोपाल ■ निसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को खजुराहो स्थित कन्वेंशन सेंटर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि हर पात्र हितग्राही तक खाद्यान्न वितरण का लाभ सुगमता से पहुंचे। जरूरतमंद गरीबों, श्रमिकों, किसानों और महिलाओं का कल्याण हमारी प्राथमिकता है। बैठक में मुख्य रूप से लक्षित सार्वजनिक प्रणाली, उपार्जन प्रक्रिया, तकनीकी नवाचार, सिंहस्थ 2028 की तैयारियों सहित विभिन्न विषयों पर रिव्यू किया गया। इस दौरान डॉ. यादव ने विभाग द्वारा किए गए नवाचारी प्रयासों की सराहना की, वहीं अन्य विषयों पर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

बैठक में विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों के ई-केवाइसी एवं राइट फुल टारगेटिंग कार्य की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि यह प्रक्रिया नियमित अंतराल में दोहराई जाए, ताकि प्रत्येक पात्र हितग्राही को

प्राथमिकता श्रेणी बनाकर 25.18 लाख नवीन श्रमिकों को नि:शुल्क वितरण

बैठक में बताया गया कि ई- श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों को नि :शुल्क राशन का लाभ मिल सके, इसके लिए असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों की 29वीं प्राथमिकता श्रेणी बनाकर 7.25 लाख परिवारों के 25.18 लाख नवीन श्रमिकों को पात्रता पर्ची के माध्यम से नि :शुल्क राशन वितरित किया जा रहा है। दो वर्ष में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में 5.25 करोड़ से अधिक पात्र हितग्राहियों को 19,935 करोड़ रुपये का 66.37 लाख मीट्रिक टन नि :शुल्क खाद्यान्न वितरण किया गया। पीडीएस प्रदाय केंद्रों की संख्या में भी बढ़ोतरी की गई।

नि:शुल्क खाद्यान प्राप्त हो सके। उल्लेखनीय है कि खाद्य संचालनालय द्वारा वृहद स्तर पर कैंपेन मोड में ई केवाइसी एवं राइट फुल टारगेटिंग का कार्य किया गया था। जिसमें चरण वार हितग्राहियों के वेरीफिकेशन के बाद 34 लाख से अधिक हितग्राहियों का पोर्टल से विलोपन किया गया। वहीं इस प्रक्रिया से प्रतीक्षा सूची से लगभग 14 लाख हितग्राहियों को नवीन पात्रता पर्ची जारी कर नि:शुल्क खाद्यान का वितरण किया जा रहा है।

समीक्षा बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई एवं श्रीमती रश्मि अरुण शमी सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों को एमएसपी के लाभ के साथ बोनस और प्रोत्साहन राशि भी मिली

किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिले इसके लिए प्रदेश सरकारी द्वारा रबी विपणन वर्ष 2024-25 और 2025-26 में एमएसपी पर गेंहू बेचने वाले किसानों को 29558.40 करोड़ रुपये की एमएसपी राशि और 1965 करोड़ रुपये के बोनस का भुगतान किया गया है। वहीं खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 19208.76 करोड़ रुपये की एमएसपी राशि एवं 337.11 करोड़ की प्रोत्साहन राशि का भुगतान मुख्यमंत्री कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत किया गया है। चावल उत्पादक किसानों को लाभ पहुंचाते हुए वर्ष 2024-25 में 9.64 लाख मीट्रिक टन चावल का केन्द्रीय पूल में रिकार्ड परिदान किया गया। सरकार द्वारा भंडारण क्षमता को भी बढ़ाया गया है।

प्रदेश में खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 में शामिल 536.23 लाख पात्र हितग्राहियों में से 93% यानी 497.08 लाख हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण किया जा चुका है। वहीं, प्रतीक्षारत 14 लाख नवीन पात्र हितग्राहियों को पात्रता पर्चियां जारी कर नि:शुल्क खाद्यान्न दिया जा रहा है।

स्कूल कॉलेज एवं अन्य शिक्षण संस्थान में अतिथि शिक्षक प्रथा समाप्त कर परमानेंट भर्ती की जाए

भोपाल ■ निसं

भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त राजेंद्र नामदेव के द्वारा 9 मसाला में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र नामदेव ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

जैसे कि मध्य प्रदेश में ठेका प्रथा पूर्णतया समाप्त किए जाने स्कूल कॉलेज एवं अन्य शिक्षण संस्थान में अतिथि शिक्षक प्रथा समाप्त कर परमानेंट भर्ती की जावे बैंक स्वास्थ्य एम पी ई बी एवं समस्त स्थाई विभागों में संविदा एवं ठेका प्रथा को पूर्ण से समाप्त किए जाने की एवं उनको परमानेंट किए जाने को संबंध में सरकार से मांग की इस विषय में उन्होंने बताया कि सरकार से पत्राचार किया जाएगा यदि समस्या का हल नहीं हुआ तो मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा एवं मुख्यमंत्री को इस संबंध में ज्ञापन दिया जाएगा।

फर्जी जाति प्रमाण-पत्र पर नौकरी हासिल करने वाले 25 अधिकारी-कर्मचारी चिन्हित

पढ़ाई के समय ओबीसी बन छात्रवृत्ति हासिल कर ली, नौकरी के लिए बन गए आदिवासी

भोपाल ■ निसं

फर्जी जाति प्रमाण-पत्र पर नौकरी हासिल करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने घोटाले पर घोटाला किया। यह ओबीसी वर्ग से आते हैं। पढ़ाई कर रहे थे तो ओबीसी को मिलने वाली छात्रवृत्ति हासिल कर ली। इससे पढ़ाई करते रहे। जब नौकरी की बारी आई तो आदिवासी बन गए। अनुसूचित जनजाति के फर्जी जाति प्रमाण-पत्र पर नौकरी हासिल कर आदिवासियों के हक पर डाका मारा। जो नौकरियां आदिवासी वर्ग के नागरिकों को मिलनी थीं, उन्हें फर्जी जाति प्रमाण-पत्र के जरिये इन लोगों ने हासिल कर लिया। ऐसे 25 अधिकारी, कर्मचारी चिह्नित हो चुके हैं। जिन पर एसटीएफ द्वारा एफआइआर की गई है।

फर्जीवाड़ा करने वाले अधिकारी-कर्मचारी: फर्जी जाति प्रमाण-पत्र पर नौकरी हासिल करने अधिकारियों-कर्मचारियों में गीतिका बाथम, एसआई पुलिस मुख्यालय भोपाल और लोकेंद्र बाथम, 25वीं बटालियन, भोपाल शामिल हैं। वहीं डॉ. दिनेश माझी, जीआरएमसी ग्वालियर, डॉ. सीमा बाथम, जीआरएमसी ग्वालियर, डॉ. रजनीश माझी, जीआरएमसी ग्वालियर, डॉ. विनोद बाथम, जीआरएमसी ग्वालियर, डॉ. रेखा बाथम, आयुर्वेदिक कॉलेज आम खो, डॉ. महेंद्र बाथम, फार्मासिस्ट जिला शिवपुरी, शिक्षक जवाहर सिंह केवट, शिक्षक सीताराम केवट, शिक्षक सरला माझी, शिक्षक कुसुम मांझी, शिक्षक राजेश केवट, शिक्षक बाबूलाल रावत, शिक्षक सुनीता रावत, आरक्षक हेमंत बाथम, साइबर सेल ग्वालियर, आरक्षक महेश बाथम, शिवपुरी, आरक्षक नाहर सिंह, शिवपुरी, सूबेदार अनिल बाथम, यातायात पुलिस, श्योपुर, भागीरथी माझी, स्टेनो, गुना, अनुपम मांझी, स्टेनो, गुना, देवीलाल ढीमर, स्टेनो, राजगढ़, शिक्षक दशरथ रावत, गुना, मनीष गौतम, महाप्रबंधक बिजली कंपनी, जिला बैतूल, हाकिम बाथम, जेई, बिजली कंपनी, होशंगाबाद और यश कुमार सिंह, संयुक्त संचालक उद्यान विभाग, दमोह शामिल हैं।

पढ़ाई के समय खुद को ओबीसी बताया था

ऐसे अधिकारी-कर्मचारियों की जब पड़ताल की गई तो सामने आया कि पढ़ाई के समय इन्होंने खुद को ओबीसी ही बताया था। जाति प्रमाण-पत्र में भी ओबीसी ही लिखा है। इस आधार पर छात्रवृत्ति हासिल की। 25 अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा आठ ऐसे और लोग एसटीएफ के रडार पर हैं, जिन्होंने सत्यापन में इनका साथ दिया। अब इनके नाम एफआइआर में शामिल किए जाएंगे।

लव जिहाद के शिकार युवक की घर वापसी

भोपाल में अमन खान फिर बना शुभम गोस्वामी

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल में लव जिहाद का शिकार हुए एक युवक ने वैदिक रीति-रिवाजों के जरिए हिंदू धर्म में घर वापसी की है। एक मुस्लिम लडक़ी से प्यार के बाद कथित रूप से इस्लाम स्वीकार कर अमन खान बन चुके इस युवक को अब फिर से उसका पुराना नाम शुभम गोस्वामी दिया गया है। भोपाल में अपनी तरह का यह पहला मामला बताया जा रहा है।

भोपाल के गुफा मंदिर में एक धार्मिक समारोह के जरिए युवक को फिर से शुभम गोस्वामी नाम दिया गया। अमन खान को शुद्धि व प्रायश्चित प्रक्रिया से गुजारा गया। सबसे पहले शुभम का मुंडन किया गया, उसके बाद स्नान करवाया गया। मंदिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अग्नि में आहुति दिलवाई गई और अनुष्ठान संपन्न हुआ। सनातन धर्म अपनाने के बाद

मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग युवक को हनुमान मंदिर लेकर पहुंचे और बजरंगबली के दर्शन करवाए। शुभम गोस्वामी ने बताया कि एक मुस्लिम लडक़ी से प्रेम होने पर उस लडक़ी और उसके घरवालों ने उससे शादी के लिए मुस्लिम बनने का दबाव बनाया। जब वह पूरी तरह मुसलमान बन गया, तो लडक़ी के घरवालों ने उसके खिलाफ झूठा केस दर्ज करके जेल भेज दिया। जेल से लौटने के बाद उसे कर्नाटक में एक जमात में भेजा गया, जहां उसे इस्लामिक रीति-रिवाज सिखाए गए। जमात में उसे 5 वक्त की नमाज पढऩा सिखाया गया, जबरन नॉन-वेज खिलाया गया। उसने बताया कि कई जगह पर खाने में सिर्फ गौमांस रखा जाता था, जिसे मजबूरी में खाना पड़ा। उसकी दाढ़ी भी बड़ी करवाई गई। मुस्लिम बनने के बाद भी लडक़ी ने उससे शादी भी नहीं की और बार-बार जमात में जाने को कहते रहे।

3 लोगों को जेल भेजा गया

मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि कुछ दिन पहले शुभम उनके जनदर्शन कार्यक्रम में आया और रोते हुए पूरी कहानी बताई। मंत्री ने पुलिस को मामले की जांच करने को कहा। जांच में पाया गया कि लडक़े को जबरन मुसलमान बनाया गया है। मध्य प्रदेश में लव जिहाद के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई करते हुए, अब तक तीन लोगों को जेल भेजा गया है। मंत्री ने कहा कि आज उन्होंने शुभम की घर वापसी करवाई है।

मध्यप्रदेश बना वाहनों की डिडुप्लीकेशन की लंबित प्रविष्टियों को शून्य करने वाला राज्य

भोपाल। परिवहन विभाग के प्रयासों से मध्यप्रदेश डिडुप्लीकेशन की लंबित प्रविष्टियों को शून्य करने वाला राज्य बन गया है। इस कार्यवाही का फायदा उन समस्त 2 लाख 50 हजार वाहन स्वामियों को मिला है, जो अब परिवहन विभाग की ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग कर पा रहे हैं। देश में समस्त राज्यों के परिवहन विभाग द्वारा वाहनों के पंजीयन एवं उनके स्थानान्तरण के संबंध में विभिन्न परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में समय-समय पर प्रविष्टियां की जाती हैं। पूर्व में कागजों पर संधारित रिकार्ड को डिजिटाइज करने के दौरान दूसरे आरटीओ के अधिकार क्षेत्र में वाहन के स्थानांतरित होने पर पूर्व के आरटीओ द्वारा एंट्री को डिलीट न किये जाने के कारण देश में 35 लाख वाहन ऐसे थे, जिनकी प्रविष्टि एक से अधिक आरटीओ में होने से उन वाहन स्वामियों को परिवहन सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के सभागार में एलएन आयुर्वेद एवं नर्सिंग छात्रों का 'ज्ञानारम्भ' समारोह

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल के कोलर रोड स्थिति एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के सभागार में सोमवार को एलएन आयुर्वेद कॉलेज एवं हॉस्पिटल और एलएन नर्सिंग छात्रों का 'ज्ञानारम्भ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीएएमएस और नर्सिंग के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए स्वागत समारोह आयोजित कर नए शैक्षणिक सत्र की औपचारिक शुरुआत की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, वहीं उनके अभिभावकों ने भी

आयोजन में भाग लेकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल रहे मुख्य अतिथि: कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल रहे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा और नर्सिंग का क्षेत्र न केवल एक पेशा, बल्कि समाज सेवा का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अध्ययन के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को भी अपनाने की अपील की।

विद्यार्थियों और अभिभावकों की रही विशेष मौजूदगी: 'ज्ञानारम्भ' समारोह में प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ उनके माता-पिता भी शामिल हुए। अभिभावकों के लिए यह पल गर्व का रहा, जब उनके बच्चे चिकित्सा और नर्सिंग जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्रों में अपने करियर की शुरुआत कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने संस्थान की व्यवस्थाओं और शैक्षणिक वातावरण की प्रशंसा की।

अनुशासन और परिश्रम पर दिया गया जोर: कार्यक्रम में एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे, डायरेक्टर धर्मेन्द्र गुप्ता, रजिस्ट्रार अजित कुमार सोनी और वाइस चांसलर एन. के. थापक उपस्थिति रहें। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अनुशासन, समयबद्धता और ईमानदारी के महत्व से अवगत कराया गया।

एलएनसीटी ग्रुप के फाउंडर जयनारायण चौकसे ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में सफलता के लिए केवल पुस्तकीय ज्ञान पर्याप्त नहीं होता, बल्कि अनुशासन, धैर्य और सेवा भाव भी उतने ही आवश्यक हैं। छात्रों को बताया गया कि पढ़ाई के साथ व्यवहारिक प्रशिक्षण और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता उन्हें एक बेहतर चिकित्सक और नर्स बनाएगी। उन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए संस्थान की शैक्षणिक परंपरा और उपलब्धियों की जानकारी दी।

शिक्षकों की उपस्थिति लाइव डैशबोर्ड पर देख सकते हैं अधिकारी

ई-अटेंडेंस से शिक्षकों की उपस्थिति 72 प्रतिशत

भोपाल ■ निसं

प्रशासन और जिला शिक्षा विभाग की कड़ी निगरानी के बाद ई-अटेंडेंस दर्ज करने वाले शिक्षकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उल्लेखनीय यह है कि अब शिक्षक न केवल लॉगइन कर रहे हैं, बल्कि समय पर लॉगआउट भी कर रहे हैं।

शिक्षा विभाग अब और अधिक सख्त व्यवस्था लागू करने जा रहा है। भोपाल सहित पूरे प्रदेश में वास्तविक समय उपस्थिति निगरानी (रियल टाइम अटेंडेंस मॉनिटरिंग) प्रणाली शुरू की जा रही है, जिसके तहत शिक्षकों की उपस्थिति तुरंत ऑनलाइन ट्रैक होगी। इससे एक सेकंड की देरी के बिना यह स्पष्ट हो जाएगा कि कौन-सा शिक्षक स्कूल में मौजूद है और कौन अनुपस्थित।

28 नवंबर के बाद शिक्षकों की उपस्थिति दर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। नवंबर माह का वेतन ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर देने के आदेश जारी होने के समय 28 नवंबर को ई-अटेंडेंस का प्रतिशत 52 था। आदेश के बाद के नौ दिनों में उपस्थिति में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

संक्षिप्त समाचार

जीपीएफ के गुमशुदा कटौत्रों के निराकरण हेतु 16 दिसम्बर को लगेगा शिविर

खण्डवा। महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर द्वारा शासकीय सेवकों के जीपीएफ गुमशुदा कटौत्रे, निष्क्रिय जीपीएफ खाते एवं अप्रविष्ट मदों के निराकरण के लिये इंदौर कोषालय में शिविर आयोजित कर संभाग के सभी जिलों से सम्बंधित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। जिला कोषालय अधिकारी श्री आर.एस.गवली ने बताया कि खण्डवा जिले के लिए आगामी 16 दिसम्बर तिथि निर्धारित की गई है। यह शिविर जिला कोषालय इन्दौर में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने खण्डवा जिले के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने कार्यालय से सम्बंधित अधिकारी कर्मचारियों के गुमशुदा कटौत्रे, निष्क्रिय खातों, पार्ट वांट व फुल वांट एवं अप्रविष्ट मदों से संबंधित प्रकरणों के निराकरण के लिए अपने कार्यालय के प्रतिनिधि को इस शिविर में भेजें। जिला कोषालय अधिकारी गवली ने आहरण संवितरण अधिकारियों से अपील की है कि जीपीएफ के प्रकरणों के निराकरण के लिए संबंधित दस्तावेज जैसे सामान्य भविष्य निधि कटौत्रा पत्रक, वेतन देयक, चालान की प्रति, कैशबुक, बिल रजिस्टर आदि की प्रमाणित प्रति सहित इन्दौर के शिविर में उपस्थित हों।

नेशनल लोक अदालत 13 दिसंबर को लगेगी

खण्डवा। नेशनल लोक अदालत 13 दिसंबर शनिवार को आयोजित होगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पियूष भावे ने बताया कि लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति से प्रकरणों का निराकरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, व्यवहारिक (सिविल प्रकरण) धारा 138 एन.आई.एक्ट प्रकरण मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, पारिवारिक प्रकरण, समझौता योग्य श्रम प्रकरण विद्युत चोरी के प्रकरण का निराकरण आपसी सहमति के आधार पर किया जायेगा तथा विद्युत विभाग, बैंक, नगर पालिक, बी.एस.एन.एल. आदि के पूर्व वाद प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से किया जायेगा। पूर्व वाद प्रकरणों में विद्युत विभाग, जलकर तथा संपत्ति कर के प्रकरणों में लोक अदालत के दिन निराकरण होने पर विभाग द्वारा नियमानुसार छूट प्रदान की जायेगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री भावे ने नागरिकों से अपील की है कि नेशनल लोक अदालत में अपने प्रकरणों का आपसी सुलह व समझौते के आधार पर निराकरण करवा कर शीघ्र व सुलभ न्याय प्राप्त करें।

ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर आवेदन करने की अंतिम तिथि आज

खण्डवा। ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्मार्ट सीडर, श्रेडर व मल्चर, बेलर, हे रेक व स्ट्रॉ रेक एवं स्लेशर यंत्रों के आवेदन करने की अंतिम तिथि 9 दिसंबर तक है। सहायक कृषि यंत्री ने बताया कि किसानों को अपने आवेदन के साथ स्वयं के बैंक खाते से राशि का डिमांड ड्राफ्ट सम्बंधित जिले के 'सहायक कृषि यंत्री' के नाम से बनवाकर संलग्न करना अनिवार्य होगा। धरोहर राशि के बिना आवेदन मान्य नहीं किया जायेगा। कृषि यंत्र हैप्पी सीडर, सुपर सीडर और स्मार्ट सीडर के लिए 4500-4500 रूपये के डिमांड ड्राफ्ट, कृषि यंत्र श्रेडर व मल्चर के लिए 5500 रूपये का डिमांड ड्राफ्ट, कृषि यंत्र बेलर के लिए 15000 रूपये का डिमांड ड्राफ्ट, कृषि यंत्र हे रेक व स्ट्रॉ रेक के लिए 5000 रूपये का डिमांड ड्राफ्ट, कृषि यंत्र स्लेशर के लिए 2000 रूपये का डिमांड ड्राफ्ट जमा करना होगा।

स्मार्ट मीटर लगाने का जबलपुर में विरोध, SDM-पार्षद की हुई बहस

पुलिस की मौजूदगी में लगाने पड़े मीटर, स्थानीय लोगों को हिरासत में लिया

जबलपुर ■ निसं

सोमवार को जबलपुर के गाजी नगर में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों को स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। स्थिति बिगड़ती देख एसडीएम सहित चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की मौजूदगी में ही स्मार्ट मीटर लगाने का काम पूरा किया गया। इस दौरान एसडीएम से स्थानी पार्षद की बहस भी हुई। वहीं, कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया।

विवादों के बीच कर्मचारी लगाते रहे स्मार्ट मीटर: गाजी नगर में दोपहर को बिजली विभाग के कर्मचारी स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे। इसकी जानकारी स्थानीय निर्दलीय पार्षद शफीक हीरा को लगी तो वे समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए और मीटर लगाने का काम रुकवा दिया। कुछ ही देर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

पार्षद का कहना था कि स्मार्ट मीटर लगाने से पहले एक सप्ताह का समय दिया जाए, पर अधिकारियों ने इससे इनकार कर दिया। इस पर पार्षद और अधिकारियों के बीच जमकर बहस हुई। भीड़ ने काम बाधित करने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने स्थिति नियंत्रण में रखी।

एसडीएम पंकज मिश्रा और पार्षद शफीक हीरा आमने-सामने आ गए। एसडीएम ने कहा कि काम कानून और सरकारी आदेशों के अनुसार हो रहा है, इसलिए मीटिंग की आवश्यकता नहीं है। जबकि पार्षद का कहना था कि बिना बैठक और सहमति के यह कार्य शुरू करना क्षेत्र का कानून-व्यवस्था बिगाड़ सकता है।

पुलिस की तैनाती, उपद्रव रोकने की कोशिश: पूरे समय पुलिस बल मौजूद रहा ताकि कोई उपद्रवी हरकत न कर सके। बिजली विभाग में पदस्थ एसई संजय अरोरा ने बताया कि पूरे जिले में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य चल रहा है। गाजी नगर के लोगों को पिछले दो सालों से समझाइश दी जा रही है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के हित में हैं।

विरोध करने वालों को पुलिस ने हिरासत में लिया

एसडीएम पंकज मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार के आदेशों के अनुसार पूरे प्रदेश में पुराने मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। कुछ लोगों में गलतफहमी है कि स्मार्ट मीटर से बिल बहुत बढ़ जाएगा, जबकि ऐसा नहीं है। अज्ञानता के कारण विरोध करने वालों को समझाइश दी गई है। पुलिस ने हंगामा करने वाले कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। कार्रवाई के दौरान कुछ घरों में मीटर टेंपरिंग से बिजली चोरी का मामला भी सामने आया, जिसके बाद विभाग ने सभी घरों में स्मार्ट मीटर लगवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

टाइम ऑफ द डे (TOD) के तहत उपभोक्ताओं को लगभग 1 करोड़ रुपए की छूट दी जा रही है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता जितनी बिजली उपयोग करेंगे, उतना ही डेटा स्मार्ट मीटर के ऐप पर दिखाई देगा।

कलेक्टर ने नगर की वार्ड सभाओं का निरीक्षण किया

निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का लिया जायजा

खंडवा ■ निसं

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इन दिनों निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य जारी है। इसी क्रम में सोमवार को जिले के सभी गांवों में ग्रामसभा तथा शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों में वार्डसभा आयोजित की गईं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषव गुप्ता ने सोमवार शाम को खण्डवा नगर के 3 मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर वहां आयोजित वार्डसभा का निरीक्षण किया। इस दौरान खण्डवा एसडीएम ऋषि कुमार सिंघई, उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश सावले एवं नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रियंका राजावत सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर गुप्ता ने सूरजकुंड स्कूल, मोहनलाल वर्मा स्कूल तथा हाई स्कूल रामनगर में आयोजित वार्डसभा में उपस्थित मतदाताओं और बूथ लेवल एजेंट तथा वार्ड पार्षदों से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के सम्बंध में पूछताछ की। उन्होंने मतदान केन्द्रों के बीएलओ को निर्देश दिए कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य पूरी गंभीरता से करें। कलेक्टर गुप्ता ने वार्ड पार्षद और बूथ लेवल एजेंटों से कहा कि मृत हो चुके, अन्यत्र शिफ्ट हो चुके तथा एक से अधिक स्थानों पर दर्ज मतदाताओं की अनंतिम सूची को अच्छी तरह देखकर पुष्टि कर लें और उसके बाद ही सत्यापित करें।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर कलेक्टर ने की सभी से सहयोग राशि देने की अपील

कलेक्टर सहित सभी अधिकारियों को लैपल पिन लगाकर मनाया गया सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

सीहोर ■ निसं

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर श्री बालागुरू के. सहित सभी अधिकारियों को जिला कल्याण बोर्ड के संयोजक सूबेदार श्री हरिनारायण सहित अन्य पूर्व सैनिकों ने लैपल पिन लगाकर सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया और सहयोग राशि प्राप्त की।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि भारतीय सैनिक कठिन परिस्थितियों में हर समय देश की सीमा की रक्षा करते हैं। देश के भीतर भी सैनिक अपनी अमूल्य सेवाओं के द्वारा बाढ़, भूकंप, तूफान तथा प्राकृतिक विपदाओं के समय सहायता करते हैं।

उन्होंने कहा कि हम सब भी भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में उदारतापूर्वक आर्थिक सहयोग देकर सेना की त्याग और सेवा की उत्कृष्ट परंपरा के सहयोगी बनने के लिए गौरव का अनुभव कर सकते हैं।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में एकत्रित राशि शहीद सैनिकों के आश्रितों, दिव्यांग तथा भूतपूर्व सैनिकों के लिए चल रही कल्याणकारी योजनाओं के संचालन में उपयोग होती है। उन्होंने सभी से झण्डा दिवस के उपलक्ष्य में दान करने की अपील की। उन्होंने झंडा दिवस के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि यह दिवस शहीद सैनिकों के सम्मान में उनके परिवारजनों को आर्थिक सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। प्रतीक चिह्नों के प्रतिफल स्वरूप प्राप्त दान राशि शहीद सैनिकों की विधवाओं के इलाज एवं उनके बच्चों की शिक्षा, विवाह आदि के लिए आर्थिक सहायता के रूप में प्रदान की जाती है।

SIR में 5.58 लाख मतदाता मौके पर नहीं मिले

इंदौर के पूर्व पार्षद ने चलाया नाम सार्वजनिक करने हस्ताक्षर अभियान

इंदौर ■ निसं

विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्क्र) कार्यक्रम के तहत लापता मतदाताओं के नाम सार्वजनिक कराने और फर्जी मतदान रोकने की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने सोमवार को छावनी चौराहे पर इस अभियान की शुरुआत की।

कौशल ने बताया कि स्ढ्क्रकी स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार इंदौर की सभी विधानसभा क्षेत्रों में 100% सर्वे पूरा हो गया है, लेकिन निर्वाचन कार्यालय ने अब तक संदिग्ध या लापता मतदाताओं की सूची सार्वजनिक नहीं की है।

उनका कहना है कि जानकारी सार्वजनिक न होने से फर्जी मतदान और वोट चोरी की आशंका बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौके पर नहीं मिले मतदाता अंतिम चरण में अचानक सामने आ सकते हैं।

कौशल का कहना है कि स्ढ्क्र कार्यक्रम के दौरान 5.58 लाख मतदाता मौके पर नहीं मिले। कई बार निवेदन के बावजूद उनके गणना-पत्रक (फॉर्म) वापस नहीं बुलाए गए और न ही मौके का पंचनामा बनाया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्वाचन आयोग कार्रवाई नहीं करता है तो वे न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाएंगे।

रात में युवक को बदमाशों ने पीटा, सुबह मृत मिला

जबलपुर। जबलपुर में कुछ घंटों के भीतर दो हत्याएं हो गईं। शक्ति नगर चौपाटी में चायनीज फूड ठेला संचालक 40 साल के व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या हुई। वहीं राजीव नगर में 28 साल के अंकित ठाकुर को घर के सामने पीटा गया और वह सुबह मृत मिला। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने बताया कि रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे दो युवक घर के सामने पहुंचे और अंकित ठाकुर से मारपीट की। शोर सुनकर पड़ोसी बाहर आए तो आरोपी भाग निकले। परिवार अंकित को घर ले आया, जहां उसे सुलाया गया। सोमवार सुबह करीब 10 बजे जब वह नहीं उठा तो मां ने कमरे में जाकर देखा, जहां वह मृत अवस्था में मिला। अंकित की मां ने बताया कि रात को अंकित घर के सामने टहल रहा था, तभी अंजुल ठाकुर, सौरभ और यश नामक युवक वहां पहुंचे और लात-घूंसों से हमला कर दिया।

बाइक सवार बदमाशों ने ग्वालियर में तोड़े कारों के कांच

पत्थर फेंककर तेजी से भाग निकले, पुलिस बदमाशों की पहचान में जुटी

ग्वालियर ■ निसं

बाइक सवार बदमाशों ने ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र में खड़ी कारों के कांच तोड़ दिए। यह घटना रविवार रात को राम नगर आवासीय इलाके में हुई।

यहां घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों को बदमाशों ने निशाना बनाया। कारों पर पत्थर फेंके, जिससे एक कार के शीशे चकनाचूर हो गए।

पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई है। फुटेज में तीन बदमाश बाइक पर आते हैं, कारों पर पत्थर फेंकते हैं और फिर तेजी से भाग जाते हैं। इस फुटेज के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

सूचना मिलने पर मुरार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस टीमों का कहना है कि बदमाशों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संदिग्ध युवकों की हो रही पहचान: सीएसपी अतुल सोनी ने बताया- 'मुरार थाना पुलिस को एक वीडियो मिला है, जिसमें बाइक सवार तीन बदमाश गाड़ियों में तोड़फोड़ करते दिख रहे हैं। तकनीकी टीम को इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं और संदिग्ध युवकों की पहचान की जा रही है। जल्द ही इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।'

एवरेस्ट विजेता भावना डेहरिया को मिलेगा विक्रम अवॉर्ड

चयन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज, राज्य सरकार के फैसले को सही ठहराया

इंदौर ■ निसं

माउंट एवरेस्ट फतह कर प्रदेश का नाम रोशन करने वाली पर्वतारोही भावना डेहरिया को विक्रम अवॉर्ड मिलने का रास्ता साफ हो गया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सोमवार को उनके चयन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी और राज्य सरकार के निर्णय को सही ठहराया।

कोर्ट ने आदेश सुनाते हुए कहा कि 2023 के एडवेंचर स्पोर्ट्स कैटेगरी के लिए राज्य सरकार द्वारा लिया गया निर्णय नियमों के अनुरूप है और इसमें किसी प्रकार की त्रुटि नहीं है। भावना के एडवोकेट अनुनय श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से इस मामले में डिप्टी एडवोकेट जनरल श्रेय राज सक्सेना ने प्रभावी तरीके से पक्ष रखा, जिसे न्यायालय ने स्वीकार किया।

यह याचिका मधुसूदन पाटीदार द्वारा दायर की गई थी। इसमें उन्होंने दावा किया था कि वे भावना डेहरिया से वरिष्ठ हैं और उन्हें ही पुरस्कार मिलना चाहिए। हालांकि कोर्ट ने पाया कि पाटीदार का एवरेस्ट आरोहण वर्ष 2017 का है, जो मध्य प्रदेश पुरस्कार नियम, 2021 के अनुसार निर्धारित पांच वर्ष की पात्रता अवधि से बाहर है। नियम 5 के अनुसार एडवेंचर स्पोर्ट्स कैटेगरी में केवल पिछले पांच वर्षों के उपलब्धियों को ही मान्य किया जा सकता है।

इस आधार पर अदालत ने कहा कि पाटीदार वर्ष 2023 के पुरस्कार के लिए पात्र ही नहीं थे, इसलिए उनका दावा सही रूप से अस्वीकार किया गया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार द्वारा आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया वर्ष 2021, 2022 और 2023 में नियमों के अनुरूप रही है, इसलिए अपर्याप्त जानकारी या नोटिस न देने का आरोप भी टिकाऊ नहीं है।

याचिका 'निर्मूल' पाए जाने के बाद अब भावना डेहरिया को विक्रम अवॉर्ड प्रदान करने में कोई बाधा नहीं रही। राज्य सरकार जल्द ही उन्हें आधिकारिक समारोह में सम्मानित करेगी।

संविदा कर्मियों का वेतन समय पर जारी करने के निर्देश हेल्मेट लगाना अनिवार्य

सड़क पर रहने वाले स्वानों की नसबंदी का कार्य प्राथमिकता से करने के दिए निर्देश – कलेक्टर

राजगढ़ ■ निसं

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, शिकायतों के निवारण, ई-ऑफिस उपयोग, ई-केवायसी, समय सीमा की शिकायतों, सीएम हेल्पलाईन तथा शासकीय योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में विभागों को स्पष्ट व समयबद्ध कार्य करने हेतु निर्देश भी दिए गए।

बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन में जल संसाधन विभाग के कमजोर प्रदर्शन पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। ग्राम पिपलिया कलां, खिलचीपुर के श्री जमुना प्रसाद सेन की शिकायत लंबित रहने पर जल निगम विभाग को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग के अधिकारी द्वारा विवाह प्रमाण पत्र उपलब्ध न कराने पर सचिव, ग्राम पंचायत भ्याना को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिला योजना अधिकारी तथा अपीलिय अधिकारी को नोटिस देने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन पर बॉटम 5 अधिकारियों पर जुर्माना लगाए जाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही जो कर्मचारी, विशेषकर सीएचओ, ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं करेंगे, उनका वेतन रोका जाए। संविदा कर्मियों का वेतन समय पर जारी हो, इसके लिए सभी डीडीओ को आवश्यक जानकारी समय पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। सभी विभागों को अपने रिक्त पदों की जानकारी क्लास-3 स्थापना कक्ष में तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में माइक्रो ड्रिप इरिगेशन को प्रोत्साहन देने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी पर एफआईआर की कार्रवाई के निर्देश दिए गए बैठक में पेंशनरों की ई-केवायसी, समग्र ई- केवायसी तथा ई-ऑफिस में लंबित फाइलों के निस्तारण की समीक्षा की गई। साथ ही ई-ऑफिस के उपयोग में रुचि बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

नरवाई जलाने पर रोक लगाएं, किसानों को करें जागरूक - कलेक्टर

मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले ईआरओ-एईआरओ को मतदाता सूची सूक्ष्म निरीक्षण करने के कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

सीहोर ■ निसं

कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें प्राथमिकता से बंद कराई जाएं।

बैठक के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्वाचन कार्य की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए ईआरओ एवं एईआरओ को निर्देशित किया कि वे मतदाता सूची का बारीकी से निरीक्षण कर लें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि न रहे, इसके लिए नाम, पता, उम्र, फोटो सहित सभी प्रविष्टियों का सावधानीपूर्वक मिलान किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि त्रुटिरहित एवं शुद्ध मतदाता सूची लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव है, इसलिए प्रकाशन से पहले हर प्रविष्टि का सूक्ष्म सत्यापन आवश्यक है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ यह कार्य करते हुए त्रुटि रहित मतदाता सूची का प्रकाशन सुनिश्चित करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुवंदना राजपूत, रविन्द्र परमार, एसडीएम तन्मय वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर जमील खान सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर बालागुरू के. ने भावान्तर भुगतान योजना के अंतर्गत सोयाबीन खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखने हेतु मंडियों में कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मंडी में सोयाबीन की आवक पर निरंतर नजर रखी जाए, ताकि कोई अपात्र किसान या व्यापारी अपनी सोयाबीन की बिक्री न कर सके।

अनमोल वचन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
अज्ञात

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
एलेअनोर रूज़वेल्ट

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट का त्वरित सुनवाई से इनकार

भारत में इंडिगो द्वारा पिछले एक सप्ताह में हजारों फ्लाइट कैंसिल कर दी गई। दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद सहित अन्य एयरपोर्ट में अभी तक हजारों फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। एक दिन पहले ही इंडगो एयरलाइन ने 650 से ज्यादा उड़ाने रद्द कर दी थीं। देश के सभी एयरपोर्ट में मारामारी मची हुई है। देसी और विदेशी यात्री एयरपोर्ट पर परेशान हो रहे हैं। उनका सामान उन्हें वापस नहीं मिल रहा है। फ्लाइट कैंसिल होने की सूचना उन्हें समय पर नहीं दी गई। जो यात्री विमानतल के अंदर थे, उनकी सुख-सुविधा का ध्यान भी नियमानुसार इंडिगो ने नहीं रखा। यात्रियों में महिलाएं और बच्चे बुरी तरह से परेशान होते रहे। बच्चों को पीने के लिए दूध नहीं मिला। महिलाओं को सैनिटरी पेड नहीं मिले। 24 घंटे से ज्यादा हवाई यात्री विमानतलों पर कैद रहे। उनको सुनने वाला कोई नहीं था। उन्हें विमानतल पर खाना नहीं मिला। इससे बड़ी अव्यवस्था क्या हो सकती थी। इंडिगो एयरलाइंस अपनी जिम्मेदारी से लगातार भागती रही। अन्य एयरलाइन कंपनियों ने इसका भरपूर फायदा उठाया। 40,000 से लेकर 100000 रूपये तक में टिकट बेची गई। सरकार चुपचाप तमाशा देखती रही। यात्री परेशान होते रहे। पिछले एक सप्ताह से भारत के विमानतलों पर जिस तरह से यात्री परेशान हो रहे हैं, उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है, उन्हें शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। इसके बाद भी सरकार और सुप्रीम कोर्ट जिस तरह से विमानन कंपनी इंडिगो के सामने आत्मसमर्पण करते हुए दिख रहे हैं, उसको लेकर यात्रियों में भारी गुस्सा है। हर कोई अपनी जवाबदारी से बच रहा है। हवाई जहाज के यात्रियों को उनके भाग्य भरोसे छोड़ दिया गया है। सरकार ने चार दिन बाद इंडगो एयरलाइन कंपनी से कहा, वह यात्रियों के टिकट के पैसे रविवार की शाम तक वापस कर दे। सरकार ने कारण बताओ नोटिस देकर इति श्री कर ली। हजारों की संख्या में यात्रियों की फ्लाइट कैंसिल हुई थी। कई को विदेश जाने की फ्लाइट नहीं मिली। हवाई यात्रियों को तरह-तरह की परेशानियां अभी भी हो रही हैं। देसी और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर इसका असर पड़ा है। डीजीसीए के अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। उड्डयन मंत्रालय भी इंडिगो एयरलाइंस के सामने बेबस नजर आ रहा है। जिस तरह की स्थिति भारत में बनी है, उसको लेकर सारी दुनिया के देशों में भारत ओर एयरलाइन कंपनियों की सेवाओं को लेकर तरह-तरह की चर्चा होने लगी है। सारे विश्व में भारत की छवि धूमिल हो गई है। भारत में नियम-कानून और कानून व्यवस्था को लेकर किस तरह की स्थिति है इसे सारी दुनिया के देशों ने जान लिया है। 50000 से ज्यादा देसी और विदेशी यात्री पिछले एक सप्ताह से परेशान होकर यहां से वहां भटक रहे हैं। इतने गंभीर मामले को भी सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस मामले को यह कहते हुए सुनने से मना कर दिया है, भारत सरकार पहले ही एक्शन ले चुकी है। इस मामले की सुनवाई वह 10 दिसंबर को करेंगे। सरकार ने क्या एक्शन लिया है यह भी सुप्रीम कोर्ट ने जानने की जहमत नहीं उठाई। मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी, वह एयरलाइन नहीं चला सकते हैं। इससे भारत के लोगों को बड़ी निराशा हुई है। नागरिकों का मानना था, कि सुप्रीम कोर्ट स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले की सुनवाई करता। यात्रियों को फौरी तौर पर राहत देने के लिए कोई आदेश करता। वह तो सुप्रीम कोर्ट ने किया नहीं। जब यात्रियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका लगाई गई। इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल होने के कारण जिन यात्रियों को परेशानी हो रही है। उन्हें तत्काल राहत देने के निर्देश केंद्र सरकार और विमानन कंपनी को दिए जाएं। नियमों का पालन एयरलाइन कंपनी से कराया जाए। यात्रियों से जिस तरह का मनमाना किराया वसूल किया जा रहा है, उस पर तत्काल रोक लगाई जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने याचिका की तत्काल प्रारंभिक सुनवाई करने से ही इनकार कर दिया। इस कारण यात्रियों को कहीं से भी कोई राहत मिलती हुई दिख नहीं रही है। यात्रियों को तत्काल राहत की आवश्यकता थी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और कंपनियों के भरोसे हजारों यात्रियों को उन्हीं के भरोसे छोड़ दिया, जो उन्हें तकलीफ दे रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से यात्री परेशान हैं। उनके साथ छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी हैं। जो बुरी तरह से परेशान हैं। सरकार और विमानन कंपनियां गंभीरता के साथ यात्रियों की परेशानी का निराकरण कर रही होती। यात्रियों को राहत पहुंचाने का कोई प्रयास कर रही होती। तो यात्रियों को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में याचिका लगाने की जरूरत नहीं होती। जिस तरह से न्यायपालिका ने मामले को सुनने से इनकार किया है। इसके बाद यह धारणा बनने लगी है। न्यायपालिका ऐसे किसी भी मामले की सुनवाई नहीं करना चाहती है। जिससे सरकार को कोई परेशानी हो। सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च संस्था यदि नागरिकों को सरकार और कार्यपालिका के भरोसे छोड़ देगी तो ऐसी स्थिति में न्यायपालिका की साख और न्यायपालिका के ऊपर आम नागरिकों का जो विश्वास होता है वह विश्वास भविष्य में देखने को नहीं मिलेगा। देश में अराजकता की स्थिति बनेगी। कार्यपालिका और विधायिका जिस तरह से अपनी जवाबदेही से बच रही है, न्याय पालिका मे भी जब नागरिकों के अधिकारों की रक्षा नहीं होगी, ऐसी स्थिति में न्याय पालिका की भूमिका भी कोई मायने नहीं रखेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। आगे चलकर कानून व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित हो सकती है। लोग अपने तरीके से न्याय पाने की कोशिश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को इस तरह के मामले में स्वयं संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की आशा की जाती है। हवाई यात्री भारी भरकम किराया देकर यहां से वहाँ यात्रा करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी, कानून, करुणा और राष्ट्रीय हित के बीच संतुलन

कांतिलाल मांडोत

जिसमें आरोप लगाया गया था कि मई माह में कुछ रोहिंग्या लोगों को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया विधिसम्मत नहीं थी। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी व्यक्ति की हिरासत और प्रत्यर्पण चाहे वह भारतीय नागरिक हो या गैर-कानूनी रूप से आया विदेश सिर्फ कानून के अनुसार ही किया जा सकता है। यह टिप्पणी केवल न्यायिक अनुशासन की याद नहीं दिलाती, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता पर भी जोर देती है।

सुप्रीम कोर्ट में हालिया सुनवाई के दौरान रोहिंग्या शरणार्थियों के मुद्दे पर हुई सख़्त टिप्पणी ने देशव्यापी बहस को फिर जीवित कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ एक हेबियस कॉर्पस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मई माह में कुछ रोहिंग्या लोगों को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया विधिसम्मत नहीं थी। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी व्यक्ति की हिरासत और प्रत्यर्पण चाहे वह भारतीय नागरिक हो या गैर-कानूनी रूप से आया विदेश सिर्फ कानून के अनुसार ही किया जा सकता है। यह टिप्पणी केवल न्यायिक अनुशासन की याद नहीं दिलाती, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता पर भी जोर देती है। मानवीय संकट और कानूनी दायरे का संघर्ष भी विचार के बिंदु है।

रोहिंग्या समुदाय पिछले एक दशक से अधिक समय से अंतरराष्ट्रीय विमर्श का विषय रहा है। म्यांमार में उन्हें लंबे समय से राजनीतिक और धार्मिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वे बड़ी संख्या में बांग्लादेश होते हुए भारत आए। उनका भारत में प्रवेश कानूनी नहीं था, लेकिन उनका आगमन मानवीय संकट से उत्पन्न हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने यह दोहराया कि मानवीय संकट समझ में आता है, पर भारत जैसे संप्रभु राष्ट्र के लिए कानून सर्वोपरि है। न्यायालय ने कहा कि प्रक्रियाएं ताकत की नहीं, व्यवस्था की भाषा बोलती हैं।इसलिए किसी भी व्यक्ति के साथ थर्ड डिग्री व्यवहार अस्वीकार्य है।

यहां न्यायालय ने संतुलन साधने की कोशिश की।एक ओर उन्होंने सरकार को याद दिलाया कि हिरासत और वापसी का हर कदम कानून के अनुरूप होना चाहिए, दूसरी ओर यह भी स्पष्ट किया कि अवैध प्रवेश को किसी भी तरह सामान्य नहीं माना जा सकता। अदालत की यह स्थिति भारत के संवैधानिक ढांचे के अनुसार अपेक्षित है, जहां करुणा और कानून दोनों के लिए स्थान है, लेकिन दोनों की सीमाएँ भी स्पष्ट हैं।राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक तानाबा भी नाजरूरी है।

रोहिंग्या मुद्दा भारत में केवल शरणार्थी प्रश्न भर नहीं है। इसे कई सरकारें सुरक्षा, जनसांख्यिकीय दबाव, और स्थानीय संसाधनों पर बोझ के रूप में भी देखती रही हैं। याचिका में कहा गया कि रोहिंग्या समुदाय अक्सर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने का प्रयास करता है, पहचान दस्तावेज़ हासिल करने में सफल हो जाता है, और कई स्थानों पर स्थानीय आंकड़ों व चुनावी प्रक्रियाओं तक को प्रभावित करता है। अदालत ने इस चिंता को पूरी तरह खारिज नहीं किया। विशेष रूप से न्यायालय की टिप्पणी थी कि देश में पहले से ही करोड़ों गरीब भारतीय नागरिक हैं जिनकी जरूरतों पर ध्यान देना आवश्यक है।एक कठोर पर यथार्थवादी संकेत था। अदालत यह दिखाना चाहती थी कि संसाधन असीमित नहीं हैं और कल्याणकारी नीतियाँ प्राथमिक रूप से नागरिकों के लिए बनी हैं। वहीं, यह भी संकेत दिया गया कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह अवैध प्रवासी ही क्यों न हो, अत्याचार का पात्र नहीं बन सकता। कानून का उल्लंघन एक अलग प्रक्रिया मांगता है, और मानव गरिमा एक अलग।

भारत की सुरक्षा एजेंसियाँ वर्षों से दावा करती रही हैं कि रोहिंग्या समूहों के बीच अपराध और अवैध गतिविधियों में शामिल नेटवर्क सक्रिय पाए गए हैं।चाहे वह सीमा पार घुसपैठ के तरीके हों, फर्जी दस्तावेज़ तैयार करना हो या संगठित गिरोहों से जुड़ाव। हालांकि, यह भी सच है कि अपराध में शामिल कुछ व्यक्तियों के आधार पर पूरे समुदाय को अपराधी मान लेना न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। यह द्वंद्व भारत की सुरक्षा नीति और मानवीय दायित्व के बीच लंबे समय से चलता आ रहा है। सीमाएँ, सुरंगें और अवैध प्रवेश के रास्ते सिरदर्द बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का एक संदर्भ यह भी था कि रोहिंग्या अक्सर सुरंग बनाकर या बाड़ काटकर भारत में घुस आते हैं। यह तथ्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कई बार बताया गया है। भारत-म्यांमार सीमा का भूगोल जटिल है।घने जंगल, लंबी खुली सीमाएँ और कई स्थानों पर पारंपरिक आवागमन। इस परिस्थिति में सीमा सुरक्षा बल के लिए अवैध प्रवेश पूरी तरह रोक देना व्यवहारिक कठिनाई है। जब ऐसे समूह देश में पहुंच जाते हैं, तब कानून उन्हें विदेशी घोषित करता है और उनके रहने, घूमने या काम करने पर प्रतिबंध लगाता है। इसके बावजूद, वर्षों से कई रोहिंग्या शिविरों में बसते गए, कुछ ने स्थानीयता हासिल कर ली, और यह स्थिति आगे चलकर प्रशासन के सामने जटिल चुनौतियाँ बनती गई। प्रत्यर्पण और कानून का ढांचा ही सर्वोपरि है। सवाल यह है कि रोहिंग्या को उनके देश वापस कैसे भेजा जाए? भारत ने म्यांमार से इस मुद्दे पर कई बार संवाद किया है, परंतु म्यांमार की राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य शासन के चलते प्रत्यर्पण की प्रक्रिया लगभग ठप है। सुप्रीम कोर्ट ने यहाँ पर बिल्कुल सीधी बात कहीहै।जब तक प्रक्रिया शुद्ध न हो, वापसी एकतरफा नहीं की जा सकती। इसका स्पष्ट अर्थ है कि हिरासत का आदेश, कारण, कागजी कार्यवाही, और पर्याप्त न्यायिक समीक्षा सभी अनिवार्य हैं।

अदालत ने कार्पेट बिछाने की टिप्पणी का उपयोग करते हुए एक व्यंग्यात्मक रूप से यह भी जताया कि शरण देने का कोई खुला निमंत्रण भारत नहीं दे सकता। करुणा के साथ-साथ, राष्ट्रीय हित और सीमा प्रबंधन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। सामाजिक तनाव और प्रशासनिक दबाव के चलते स्थिति विकट बन चुकी है।

भारत के कई शहरों में रोहिंग्या कॉलोनियाँ बढ़ी हैं। जम्मू, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर और जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में उनकी उपस्थिति स्थानीय आबादी के बीच असंतोष का विषय बनी है। स्थानीय लोग अक्सर दावा करते हैं कि इन बस्तियों के आसपास अपराध बढ़ता है, नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ती है और अवैध निर्माण तेजी से फैलता है। हालांकि ये दावे कितने प्रमाणित हैं, यह अलग प्रश्न है, लेकिन प्रशासनिक दृष्टि से अवैध बस्तियों का प्रबंधन हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी यह भी दर्शाती है कि जब देश के नागरिक ही समुचित कल्याण से वंचित हों, तब संसाधनों का हस्तांतरण अवैध प्रवासियों की ओर करना राजनीतिक और प्रशासनिक रूप से न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता।

मानवाधिकार और राज्य की जिम्मेदारियाँ भी बनती है। हालाँकि अवैध प्रवेश एक अपराध है, पर मानवाधिकार मानकों के तहत किसी भी व्यक्ति के साथ असम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जा सकता। भारत अंतरराष्ट्रीय शरणार्थी संधि का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है, फिर भी गैर-धकियाई सिद्धांत' को अक्सर वह व्यवहारिक रूप से मानता है।जिसमें किसी भी व्यक्ति को उसकी जान-माल के खतरे वाली जगह पर नहीं भेजा जाता। अदालत ने भी इस सिद्धांत को अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकारते हुए कहा कि प्रक्रिया ही अंतिम आधार है। कानून किसी भी सरकार को मनमर्जी की अनुमति नहीं देता।

भ्रष्टाचार मुक्त भारतः स्वयं से सुधार का संकल्प

डॉ.राघवेंद्र शर्मा

भारतीय राजनीति और प्रशासन के इतिहास में एक दौर वह भी था, जब भ्रष्टाचार को व्यवस्था का हिस्सा मान लिया गया था। देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया था कि केंद्र सरकार जब दिल्ली से 1 रुपया भेजती है, तो गरीब की जेब तक केवल 15 पैसे ही पहुँचते हैं। वह 85 पैसों का लीकेज बिचौलियों, भ्रष्ट अधिकारियों और पारदर्शी तंत्र के अभाव की भेंट चढ़ जाता था। यह केवल आर्थिक हानि नहीं थी, बल्कि करोड़ों देशवासियों के भरोसे की हत्या थी। संसाधनों का यह असमान वितरण और संस्थागत भ्रष्टाचार ही वह कारण था।

भ्रष्टाचार किसी भी राष्ट्र की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा और समाज की जड़ों को खोखला करने वाली एक लाइलाज बीमारी के समान है। हर साल 9 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस मनाया जाता है, जो हमें याद दिलाता है कि एक पारदर्शी और न्यायपूर्ण समाज का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि सामूहिक नागरिक चेतना से ही संभव है। इस वर्ष का यह दिवस न केवल भ्रष्टाचार के खिलाफ वैश्विक एकजुटता का प्रतीक है, बल्कि भारत के संदर्भ में यह आत्म-मंथन का भी समय है कि हमने इस सामाजिक बुराई से निपटने में कितनी दूरी तय की है और अभी कितनी राह बाकी है।

भारतीय राजनीति और प्रशासन के इतिहास में एक दौर वह भी था, जब भ्रष्टाचार को व्यवस्था का हिस्सा मान लिया गया था। देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया था कि केंद्र सरकार जब दिल्ली से 1 रुपया भेजती है, तो गरीब की जेब तक केवल 15 पैसे ही पहुँचते हैं। वह 85 पैसों का लीकेज बिचौलियों, भ्रष्ट अधिकारियों और पारदर्शी तंत्र के अभाव की भेंट चढ़ जाता था। यह केवल आर्थिक हानि नहीं थी, बल्कि करोड़ों देशवासियों के भरोसे की हत्या थी। संसाधनों का यह असमान वितरण और संस्थागत भ्रष्टाचार ही वह कारण था, जिसने दशकों तक भारत के विकास की गति को थामे रखा।

वर्तमान परिदृश्य में, विशेषकर पिछले दशक में, भारत ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध तकनीकी प्रहार किया है। मोदी सरकार की वर्तमान कार्य प्रणाली और डिजिटल इंडिया अभियान ने शासन में अभूतपूर्व पारदर्शिता का संचार किया है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की नीति ने उन बिचौलियों को व्यवस्था से बाहर कर दिया है जो गरीबों का हक मारते थे। आज जब केंद्र से पैसा चलता है, तो वह सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में बिना किसी कटौती के पहुँचता है। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में कुछ प्रमुख कारकों ने बड़ी भूमिका निभाई है। सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण होने से मानवीय हस्तक्षेप कम हुआ है, जिससे सुविधा शुल्क या रिश्वत की गुंजाइश घटी है। जीएसटी जैसी एकीकृत कर प्रणाली ने कर चोरी को कठिन बना दिया है और व्यापारिक लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ाई है। बेनामी संपत्ति अधिनियम और भगोड़े आर्थिक अपराधी कानून जैसे कदमों ने भ्रष्टाचारियों के मन में कानून का भय पैदा किया है।भ्रष्टाचार केवल फाइलों या दफ्तरों तक सीमित नहीं है। यह एक मानसिक प्रवृत्ति भी है। अक्सर हम तंत्र को दोष देते हैं, लेकिन अपनी सुविधा के लिए शॉर्टकट खोजने से नहीं चूकते। यहाँ यह नारा अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है- सुधार की शुरुआत स्वयं से करनी होगी। यदि समाज भ्रष्टाचार को सामाजिक रूप से बहिष्कृत करना शुरू कर दे और नागरिक लेने और देने दोनों से इनकार कर दें, तो कोई भी भ्रष्ट तंत्र अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता। हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा का मंत्र हमें यह सिखाता है कि ईमानदारी एक व्यक्तिगत विकल्प है जो आगे चलकर एक सामाजिक क्रांति का रूप ले लेती है। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में सत्यनिष्ठा अपनाता है, तो भ्रष्टाचार की जड़ें अपने आप कमजोर होने लगती हैं। कानून और तकनीक भ्रष्टाचार को कम तो कर सकते हैं, लेकिन इसे जड़ से मिटाने के लिए सामाजिक चेतना और जागरूकता अनिवार्य है। जब तक समाज में भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशीलता) का भाव पैदा नहीं होगा, तब तक इस बुराई का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं है। आगामी समय में हमें निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

नैतिक शिक्षाः स्कूलों और परिवारों में ईमानदारी को सर्वोच्च मूल्य के रूप में स्थापित करना।

व्हिसलब्लोअर का संरक्षणः उन साहसी लोगों को सुरक्षा प्रदान करना जो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते हैं।

प्रशासनिक जवाबदेही: लोक सेवकों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाना ताकि वे स्वयं को स्वामी नहीं बल्कि सेवक समझें।

निष्कर्ष यह कि 9 दिसंबर का यह दिन केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि एक प्रतिज्ञा का दिन है। भारत आज विश्व पटल पर एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। इस गौरवशाली यात्रा में भ्रष्टाचार की बेड़ियाँ हमारे पैरों में नहीं पड़नी चाहिए। सरकार ने नीतिगत स्तर पर पारदर्शिता का जो ढांचा तैयार किया है, उसे सशक्त बनाने की जिम्मेदारी अब समाज की है।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब 140 करोड़ भारतीय यह ठान लेंगे कि वे न तो भ्रष्टाचार का हिस्सा बनेंगे और न ही इसे मूकदर्शक बनकर सहेंगे। आइए, इस अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस पर हम स्वयं से सुधार का संकल्प लें, क्योंकि पारदर्शी भारत ही समृद्ध भारत की नींव है।

(लेखक मध्यप्रदेश के अधिमान्य पत्रकार हैं।)

भारत के मतदाताओं ने एक अधिनायक वादी शासन को वोट के जरिये सत्ता से बाहर कर दिया

स्वपन दास गुप्ता

चुनाव आयोग (ईसीआई) की यह सुनिश्चित करने की क्षमता कि जनमानसकी इच्छा विधायिकाओं में परिलक्षित हो, स्वतंत्रता प्राप्ति के पिछले सात दशकों में बार-बार परखी गई है। हालाँकि, मार्ग से विचलित होने के उदाहरण मौजूद हैं-इनमें 1972 का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 1987 का जम्मू-कश्मीर चुनाव, दो उल्लेखनीय उदाहरण हैं-लेकिन, भारत का चुनावी अनुभव आमतौर पर राजनीतिक प्रणाली की वैधता बनाए रखने में सहायक रहा है। जैसा कि सर्वाधिक मत से जीत की प्रणाली (फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट) में होता है, जो विधायी बहुमत को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाती है, ऐसे उदाहरण भी हैं,जब हारने वाले लोग हैरानी में रह गएजिनके चुनावी अभियानके अनुभवपरिणाम से मेल नहीं खाते थे। 1971 में, एक पराजित पक्ष ने जोर देकर कहा कि सोवियत-निर्मित 'अदृश्य स्याही' के उपयोग ने इंदिरा गांधी को शानदार जीत हासिल करने में मदद की। उपग्रह द्वारा ईवीएम के हेरफेर के ऐसे ही अविश्वसनीय दावे 2009 के आम चुनाव के बाद भी सुने गए थे। जो कभी साजिश सिद्धांतकारों का विशेषाधिकार हुआ करता था, वह पिछले वर्ष अब हाशिए का मुद्दा नहीं रहा है।अपनी पार्टी के संख्या-विश्लेषकों से प्रोत्साहित होकर, जिनकी भविष्यवाणियाँ परिणाम से भिन्न थीं,विपक्ष के नेता ने मतदाता सूचियों की सत्यता को चुनौती दी है। जोरदार दावे किए गए हैं कि चुनाव आयोग विशेष गहन पुनरीक्षणका उपयोग कर अल्पसंख्यक मतदाताओं को इस आधार पर बाहर करने पर विचार कर रहा है कि वे भारतीय नहीं भी हो सकते हैं। यह विवाद पश्चिम बंगाल के राजनीतिक दलों के बीच खींचतान का विषय बन चुका है और यह असम तथा अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में भी फैल सकता है। चूंकि संविधान का अनुच्छेद 321 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम चुनाव आयोग को चुनाव के संचालन के संबंध में 'विशेष क्षेत्राधिकार' देता है, इसलिए चुनावी प्रक्रिया को राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर रखा गया है। दशकों से चुनाव आयोग ने चुनावों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई नवाचार पेश किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण उपायों में आदर्श आचार संहिता शामिल है, जो अप्रिय राजनीतिक व्यवहार पर अंकुश लगाती है और ईवीएम ने वोटों में हेरफेर को और अधिक कठिन बना दिया है, हालांकि यह असंभव नहीं है। अब मतदान केंद्रों पर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के लिए नियम मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकी के प्रसार के साथ, चुनाव आयोग मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों पर जोर दे रहा है, ताकि मर्यादा बनी रहे तथा मतदान अधिकारियों और मतदाताओं को डराया-धमकाया न जा सके। निश्चित रूप से, यहसच है कि इन नवाचारों में से कोई भी पूरी तरह से दोषरहित नहीं है। मतगणना केंद्रों सहित स्थानीय स्तर परअक्सर बाहुबल का प्रभाव रहता हैऔर इसके संभावित रूप से विकृत परिणाम हो सकते हैं। मतदान अधिकारियों द्वारा हेरफेर के अनुभवजन्य प्रमाणों को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। जब संसदमें शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी, तो संभव है कि देश को आदर्श लोकतांत्रिक आचरण के अन्य विचलनों के बारे में सुनने को मिले, जिनका चुनाव आयोग द्वारा समाधान किये जाने की आवश्यकता है। लोकतांत्रिक परियोजना में एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में, संसद को आम जनता के लिए अपने व्यापक चुनाव अनुभव को संकलित करने की आवश्यकता है। हालांकि, अच्छी राजनीति के बड़े लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होगी यदि राजनीतिक कार्यपालिका चुनाव आयोग के खिलाफ आम धमकियों, जिसमें शारीरिक नुकसान भी शामिल है, का इशारा करती है और सरकारी अधिकारियों-जिनके शालीन आचरण पर पूरी प्रणाली निर्भर करती है-को अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने से रोकती है। पश्चिम बंगाल में चल रहेएसआईआरके दौरान सत्तारूढ़ दल का आचरण शर्मनाक है।

खास बात

राहुल से इतना क्यों डर रही है सरकार

रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत पहुंचे। परंपरा के अनुसार विदेशी राष्ट्रध्यक्ष आते हैं। तब वह नेता प्रतिपक्ष से मिलते हैं। मोदी सरकार के पहले 10 साल के कार्यकाल में कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं था। अब नेता प्रतिपक्ष हैं। लेकिन सरकार उन्हें किसी भी विदेशी राष्ट्रध्यक्ष से मिलाना नहीं चाहती है। राहुल गांधी जब विदेश जाते हैं, तब वहां के भारतीय दूतावास को बोल दिया जाता है। वह राहुल गांधी की मुलाकात किसी भी राजनेता से ना कराएं। इस बार राहुल गांधी सरकार के ऊपर बिफर गए हैं। इसके बाद भी सरकार के रुख में कोई परिवर्तन नहीं आया। रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत आए, और बिना राहुल गांधी से मिले रूस वापस भी चले गए। इसे कहते हैं राजनीति।

ओबामा-ट्रंप के बाद पुतिन की शाही अगवानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भव्य शाही अगवानी की है। उन्होंने पुतिन को निजी मित्र और भारत रूस के रिश्तो को लेकर बढ़-चढ़कर बताया। राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे तथा बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का भव्य स्वागत एयरपोर्ट जाकर किया था। इस बार उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन का हवाई अड्डे पर जाकर भव्य स्वागत किया है। प्रधानमंत्री मोदी जिसे अपना सबसे करीबी बताते हैं। कुछ समय के बाद वही प्रधानमंत्री मोदी की जडें काटने लगता है। पुतिन की इस अगवानी मे भारत के कई समझौते रूस के साथ हो गए हैं। यह कितने जमीन पर आएंगे। चीन और अमेरिका कौन-कौन से गुल खिलाएंगे।

चुनाव आयोग पर मेहरबान सुप्रीम कोर्ट

12 राज्यों में चुनाव आयोग एसआईआर कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट में कई राज्य सरकारें एसआईआर के विरोध में गई है। तीन दर्जन से ज्यादा बीएलओ की मौत हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट में तारीख पर तारीख और सुनवाई पर सुनवाई हो रही हैं। अभी तक किसी को राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। जो भी राहत मिल रही है, वह चुनाव आयोग को मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट यह मानकर चल रहा है, चुनाव आयोग सबसे बड़ा संवैधानिक निकाय है। ज्ञानेश गुप्ता संवैधानिक पदाधिकारी हैं। वह कोई गलत काम कर ही नहीं सकते हैं। बीएलओ की मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को ही जिम्मेदार बता दिया है। भले वह चुनाव आयोग के निर्देश पर चुनाव आयोग का काम करें। हैं तो राज्य सरकारों के कर्मचारी। ऐसे में चुनाव आयोग की कोई जिम्मेदारी कैसे हो सकती है। राज्य सरकारें, भारत के बड़े-बड़े नामी गिरामी वकील सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से हैरान और परेशान हैं।

झारखंड को लेकर कांग्रेस चिंतित ?

झारखंड के मुख्यमंत्री दिल्ली आए, वह कांग्रेस के नेताओं से नहीं मिले। इसी बीच खबर उड़ी, वह एक भाजपा के बड़े नेता से मिले हैं। वह ससुर को देखने के बहाने दिल्ली आए थे। भाजपा नेता से मिलकर वापिस चले गए। ऐसे में कांग्रेस का चिंतित होना स्वाभाविक है। कांग्रेस संगठन के महासचिव कैसी वेणुगोपाल ने हेमंत सोरेन से फोन पर बात की। उसके बाद हेमंत सोरेन ने एक पोस्ट लिखा। झारखंड झुकेगा नहीं, भाजपा इस मुलाकात को लेकर चुप है, हेमंत सोरेन ने भी चुप्पी साध रखी है। माना जा रहा है, जल्द ही लोटस अभियान झारखंड में होने जा रहा है। कांग्रेस के 16 में से 12 विधायक जेएमएम में जा सकते हैं।

चिंतन-मनन

ज्ञान के रास्ते पर

गौतम बुद्ध के प्रवचन में एक व्यक्ति रोज आता था और बड़े ध्यान से उनकी बातें सुनता था। बुद्ध अपने प्रवचन में लोभ, मोह, द्वेष और अहंकार छोड़ने की बात करते थे। एक दिन वह व्यक्ति बुद्ध के पास आकर बोला- मैं लगभग एक महीने से आपके प्रवचन सुन रहा हूं। पर क्षमा करें, मेरे ऊपर उनका कोई असर नहीं हो रहा है। इसका कारण क्या है? क्या मुझमें कोई कमी है?

बुद्ध ने मुस्कराकर पूछा- यह बताओ, तुम कहां के रहने वाले हो?

उस व्यक्ति ने कहा- श्रावस्ती।

बुद्ध ने पूछा- श्रावस्ती यहां से कितनी दूर है?, उसने दूरी बताई।

बुद्ध ने पूछा- तुम वहां कैसे जाते हो?

व्यक्ति ने कहा- कभी घोड़े पर तो कभी बैलगाड़ी में बैठकर जाता हूं।

बुद्ध ने फिर प्रश्न किया- कितना समय लगता है?, उसने हिसाब लगाकर समय बताया।

बुद्ध ने कहा- यह बताओ क्या तुम यहां बैठे-बैठे श्रावस्ती पहुंच सकते हो

व्यक्ति ने आश्चर्य से कहा- यहां बैठे-बैठे भला वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। इसके लिए चलना तो पड़ेगा या किसी वाहन का सहारा लेना पड़ेगा।

बुद्ध मुस्कराकर बोले- तुमने बिल्कुल सही कहा। चलकर ही लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। इसी तरह अच्छी बातों का प्रभाव भी तभी पड़ता है जब उन्हें जीवन में उतारा जाए। उसके अनुसार आचरण किया जाए। कोई भी ज्ञान तभी सार्थक है जब उसे व्यावहारिक जीवन में उतारा जाए। मात्र प्रवचन सुनने या अध्ययन करने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

उस व्यक्ति ने कहा- अब मुझे अपनी भूल समझ में आ रही है। मैं आपके बताए मार्ग पर आज से ही चलूंगा। बुद्ध ने उसे आशीर्वाद दिया।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत रितु गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथी, पंचमी मंगलवासरे, पुण्य नक्षत्रे, ऐग योगे, कौलवकरणे, कर्क की चंद्रमा, मूल प्रारंभ प्रारंभ दिन 8/14 सर्वार्थ सिद्ध योग3/53 उग्र कर्म मुर्हूत तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फलः आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल तथा स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता होगा, सोना चांदी, हीरा मोती का व्यापारी तथा दूध की डेरी वाला तथा दूध बेचने वाला, शासक प्रशासक तथा सचिव अधिकारी तथा राजनेता, राज्य अधिकारी, वक्ता होगा।

मेष राशि- साधन संपन्नता के योग फलप्रद हो, आर्थिक योजना अवश्य ही फलप्रद होगी।

वृष राशि- अपने किए पर पछताना पड़ेगा, मानसिक बेचैनी, क्लेश तथा अशांति होगी।

मिथुन राशि- सफलता के साधन जुटाए, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, समस्याओं का समाधान होगा।

कर्क राशि- दैनिक कार्यों में सफलता मिले, स्त्री से सुख, इष्ट मित्र सुखवर्धक अवश्य होंगे।

सिंह राशि- स्त्री वर्ग से हर्ष उल्लास हो, भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्य रुचि बढ़ेगी।

कन्या राशि- धन प्राप्त, आशानुकूल में वृद्धि, बिगड़े कार्यों की योजना सफल हो जाएगी।

तुला राशि- बिगड़े कार्य अवश्य ही बन जाएगे, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, ध्यान रखे।

वृश्चिक राशि- दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, अधिकारियों के सहयोग से कार्य योजन का लाभ होगा।

धनु राशि- कार्य योजना पूर्ण हो, बड़े बड़े लोगों से मेल मिलाप होगा, कार्य अवरोध से बचें।

मकर राशि- कार्य कुशलता से संतोष, स्थिति में सुधार तथा चिन्ता अवश्य होगी।

कुंभ राशि- आर्थिक योजना पूर्ण होवे, शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी, रुके कार्य अवश्य बनेंगे।

मीन राशि- दैनिक कार्यों में बाधा, चिन्ता उद्विघ्नता बने, धन का व्यय अवश्य ही होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

9 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

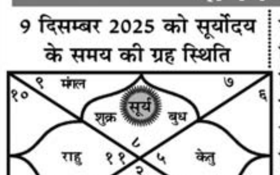

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.05 बजे से
चंद्र	कर्क में	मकर	09.10 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.57 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.30 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	14.00 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.40 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.38 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.52 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.08 बजे से
राहुकाल		कन्या	00.20 बजे से
3.00 से 4.30		तुला	02.31 बजे से
बजे तक		वृश्चिक	04.45 ब.से

मंगलवार 2025 वर्ष का 343 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 14.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 02.23 बजे रात्र को समाप्त। **योग** इन्द्र 14.33 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 14.30 बजे तदनन्तर गर 02.02 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 49' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872553 **जूलियन दिन** 2461018.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल महोत्सव 12 दिसंबर को दिल्ली में

इस युग के महावीर अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज के संरक्षण में अदभुत संत समागम

लोकसभा अध्यक्ष से लेकर बाबा रामदेव, पं. धीरेन्द्र शास्त्री सहित तमाम हस्तियां होंगी शामिल

अंतर्मना आचार्य 108 श्री प्रसन्नसागर जी महाराज

राकेश अग्रवाल की विशेष रपट

भोपाल। 'हर मास एक उपवास' पर आधारित अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट तथा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के संयुक्त तत्वाधान में भारत मंडपम, नई दिल्ली में द्विदिवसीय 12 - 13 दिसंबर को विश्वस्तरीय **जनमंगल महोत्सव** का भव्य और एतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। यह अद्भुत महोत्सव तपस्वी सम्राट, साधना महोदधी, अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के सानिध्य एवं संरक्षण में किया जा रहा है। जिसमें विशेष रूप से विश्व विख्यात योग ऋषि बाबा रामदेव भी अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। यह कार्यक्रम बनेगा आध्यात्मिक अनुभूतियों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अद्भुत संगम।

कार्यक्रम को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। पहले दिन 12 दिसंबर को कार्यक्रम का शुभारंभ इस युग के महावीर महामुनि प्रसन्न सागर जी महाराज तथा बाबा रामदेव के सानिध्य में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी के आतिथ्य में होगा जिसमें केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भूपेंद्र यादव, दिल्ली सीएम श्रीमती रेखा गुप्ता सहित तमाम अन्य संत और सिद्ध विभूतियां विशिष्ट अतिथियों के रूप में शामिल रहेंगे। दूसरे दिन योग और प्राणायाम पर विशेष विमर्श होगा।

हर मास एक उपवास के महत्व पर होंगे अंतर्मना के प्रवचन: तपाचार्य अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने सबसे कठिन उत्कृष्ट सिंह निष्क्रीडित व्रत सम्पन्न कर इतिहास रच दिया हैं। उन्होंने ये घनघोर तपस्या जनकल्याण के लिए की है। गौरतलब है कि अंतर्मना ने उत्कृष्ट सिंह निष्क्रीड़ित व्रत 557 दिन की अखण्ड मौन व्रत साधना की है जिसमें 496 उपवास और मात्र 61 पारणाएँ शामिल हैं।

सिंह निष्क्रीड़ित व्रत का फल: इस व्रत के फलस्वरूप मनुष्य वज्र वृषभ नाराच संहनन का धारक, अनन्तवीर्य से सम्पन्न, सिंह के समान निर्भय और अणिमा आदि गुणों से युक्त होता हुआ शीघ्र ही सिद्ध हो जाता है। भगवान महावीर के जीव 'नन्दन' मुनिराज के भव में कनकावली, रत्नावली, मुक्तावली और सिंह निष्क्रीड़ित आदि अनेकों व्रतों का अनुष्ठान किया था।

उसी प्रकार भगवान के नेमिनाथ के जीव ने भी तीर्थंकर से तृतीय भव पूर्व 'सुप्रतिष्ठ' मुनिराज की अवस्था में इन कनकावली आदि अनेकों व्रतों का अनुष्ठान किया था और आज तक बहुत से महापुरुष इन व्रतों का अनुष्ठान करते रहे हैं।

भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के 2600 वर्षों के बाद सम्मेदशिखर जी की स्वर्णभद्र कूट की पावन भूमि पर 557 दिन की सिंहनिष्क्रीड़ित व्रत की कठोरतम अखण्ड मौन एकान्तवास की महासाधना करने वाले अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज के सानिध्य में व्रत के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला जाएगा। जनमंगल महोत्सव का केन्द्रीय विषय भी इसलिए हर मास एक उपवास रखा गया है ताकि उपवास का हमारे भौतिक आध्यात्मिक जीवन पर जो प्रभाव पड़ता है उस पर गहराई से चिंतन हो, जिसका लाभ सभी को मिले।

12 दिसंबर को तप साधना एवं उपवास पर विभिन्न सत्र

12 दिसंबर को उद्घाटन के साथ ही पूरे दिन के कार्यक्रम को विभिन्न सत्रों में विभाजित किया गया है। जनमंगल की समयग्दृष्टि : स्वदेशी चिंतन, योग, ध्यान और उपवास पर आधारित इस विशेष कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के माध्यम से तप साधना और उपवास जैसे विषयों में विभाजित किया गया है। इन सत्रों में अंतर्मना के आशीर्वाद के साथ-साथ तमाम साधक अपने अनुभव भी साझा करेंगे।

13 दिसंबर को योग एवं प्राणायाम पर विशेष सत्र

दो दिवसीय आयोजन में 13 दिसंबर को योग एवं प्राणायाम पर आधारित विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिसमें योग संबंधी क्रिया तथा योग से होने वाले विभिन्न शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ-साथ प्राणायाम क्रिया से जीवन में क्या परिवर्तन आते हैं, इस पर विशेष तौर पर चर्चा की जाएगी। इन सत्रों में भी देश और विदेश से आए विभिन्न साधक और विशेषज्ञ अपने विचार व्यक्त करेंगे।

योगार्णव, संत प्रवर बाबा रामदेव

पं. धीरेन्द्र शास्त्री

विभिन्न क्षेत्रों की श्रेष्ठ विभूतियां होगी महोत्सव में सम्मिलित

दो दिवसीय जनमंगल महोत्सव में आध्यात्मिक योग और राजनीतिक क्षेत्र की विभिन्न विभूतियों के सम्मिलित होने का समाचार है इस दो दिवसीय कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ-साथ मुनि श्री पीयूष सागर महाराज , बाबा बागेश्वर प.धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, बाबा बालक राम, पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण, पूज्य ज्ञानानंद जी महाराज, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भूपेंद्र यादव दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, प्रवेश वर्मा, सांसद बांसुरी स्वराज, सुधांशु त्रिवेदी, जाने-माने पत्रकार रजत शर्मा, बाबा सत्यनारायण मौर्य आदि सम्मिलित होंगे।

करोड़पति बिजनेसमैन छोड़ रहे आलीशान जिंदगी

जैन साधु बनने की राह पर तीनों का भव्य दीक्षा समारोह

उदयपुर में तीन करोड़पति बिजनेसमैन अपनी आलीशान जिंदगी छोड़कर जैन साधु बनने जा रहे हैं. फरीदाबाद के आदर्श कुमार जैन, मुंबई के अरविंद कोटड़िया और मूल रूप से उदयपुर के देवीलाल भोरावत अब सांसारिक मोह-माया को त्यागकर तपस्या और भक्ति के मार्ग पर कदम रखेंगे. उनका दीक्षा समारोह जैन आचार्य पुण्य सागर महाराज की सान्निध्य में आयोजित किया जाएगा.

उदयपुर. धन - दौलत और शानो-शौकत की जिंदगी छोड़ने का फैसला हर कोई नहीं ले पाता है लेकिन उदयपुर ऐसा नजारा देखने को मिलेगा जब तीन करोड़पति बिजनेसमैन अपनी आलीशान जिंदगी से मुंह मोड़कर जैन साधु बनने की राह पकड़ेंगे. तीनों ही व्यवसाय जगत में करोड़ों का कारोबार संभाल रहे थे मगर अब वे सांसारिक मोह-माया छोड़ तपस्या और संयम का मार्ग चुनेंगे. दीक्षा समारोह में इन्हें नए नूतन नाम दिए जाएंगे.

दीक्षा लेने वाले तीनों जैन श्रावकों में फरीदाबाद के आदर्श कुमार जैन, मुंबई के अरविंद कोटड़िया और मूल रूप से उदयपुर के रहने वाले लेकिन अब मुंबई में बसे देवीलाल भोरावत शामिल हैं. इनका दीक्षा समारोह उदयपुर में जैन संत आचार्य पुण्य सागर महाराज के सान्निध्य में आयोजित किया जा रहा है. हल्दी और मेहंदी की रस्म हुई, और आज शाम 6 बजे दीक्षार्थियों की शोभायात्रा और गोद भराई का कार्यक्रम होगा.

बिजनेस छोड़ भक्ति की ओर बढ़े कदम

68 वर्षीय आदर्श कुमार जैन फरीदाबाद में पेपर मिल के स्पेयर पार्ट्स बनाते थे और उनका सालाना टर्नओवर करीब 3 करोड़ रुपये का था. उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी और कई वर्षों तक बड़े पद पर नौकरी भी की. परंतु उनके मन में हमेशा धर्म के प्रति झुकाव रहा.एक बार जब वे सम्मेद शिखर गए और आचार्य पुण्य सागर महाराज से मिले, तब उन्होंने जीवन में दीक्षा लेने का संकल्प कर लिया.

मुंबई के अरविंद कोटड़िया (76) पावरलूम कमीशन एजेंट थे, वे लाखों का कारोबार संभालते थे. एक बार वे गुरुदेव के साथ मुंबई से नासिक की ओर पदयात्रा में निकल पड़े और 2000 किलोमीटर पैदल चलकर शिखरजी पहुंचे. इसी यात्रा में उन्होंने निर्णय लिया कि अब सांसारिक जीवन को त्यागकर आत्मा की शुद्धि के लिए साधु बनना है. पत्नी पहले ले चुकी हैं दीक्षा.

76 वर्षीय देवीलाल जैन मूलत उदयपुर के गुड़ली गांव से है

उन्होंने अपना कारोबार मुंबई में जमाया, जहां इलेक्ट्रिक और हार्डवेयर का बिजनेस है. उनकी पत्नी बबली देवी पहले ही 2021 में दीक्षा लेकर साध्वी बन चुकी हैं. देवीलाल ने भी अब अपने कारोबार की जिम्मेदारी बेटों को सौंप दी है और जैन साधु बनने का निश्चय किया है. ये तीनों अब भव्य दीक्षा समारोह में सांसारिक जीवन से मुंह मोड़कर साधु जीवन की ओर बढ़ेंगे.

साल 2026 में इन 3 राशि वालों पर रहेगी राहु-केतु की छाया, करियर में आ सकती हैं दिक्कतें

साल 2026 में राहु-केतु का प्रभाव महत्वपूर्ण रहने वाला है। ये दोनों ही ग्रह राशि-नक्षत्र परिवर्तन करते हुए कुछ राशियों की किस्मत चमका सकते हैं, तो कुछ जातकों की समस्याएं भी बढ़ाएंगे। दरअसल, नववर्ष प्रारंभ होते ही केतु 29 मार्च 2026 को मघा नक्षत्र में गोचर करेंगें। इसके बाद 25 नवंबर, 2026 को अश्लेषा नक्षत्र में अपना स्थान लेंगे। फिर केतु 5 दिसंबर को कर्क राशि में एंट्री करेंगे। वहीं राहु 2 अगस्त 2026 को कुंभ राशि में रहकर धनिष्ठा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इसके बाद 5 दिसंबर 2026 को राहु कुंभ से यात्रा को विराम देते हुए मकर में संचरण करेंगे। ऐसे में राहु-केतु का साल 2026 में गोचर इन राशि वालों की दिक्कतें बढ़ा सकता है। आइए इनके बारे में जानते हैं।

मेष राशि

मेष राशि वालों को सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी। आपको करियर से लेकर नौकरी में कुछ कठिनाइयां झेलनी पड़ सकती हैं। मेष राशि के जो लोग व्यवसाय से जुड़े हैं, उन्हें कारोबार में अचानक से मंदी देखने को मिलेगी। राहु-केतु का प्रभाव तनाव को बढ़ा सकता है। यही नहीं नौकरीपेशा लोगों की जिम्मेदारियों में अचानक से बड़ा बदलाव हो सकता है, जिस कारण आपका दिनचर्या प्रभावित होगा। प्रेम संबंध में उतावलेपन से बचें। आय के नए स्रोत बनेंगे। व्यवसाय से जुड़े लोगों को मनचाहा लाभ पाने के लिए कठिन मेहनत और प्रयास करने होंगे अन्यथा दिक्कतें होंगी।

वृषभ राशि

वृषभ राशि वालों को घर और बाहर तालमेल बिठाने में समस्याएं आएंगी। माता-पिता की तरफ से अपेक्षित समर्थन और सहयोग न मिल पाने के कारण भी मन खिन्न रहेगा। इस समय निवेश करना जोखिम भरा रहेगा। धन का लेनदेन न करना उचित रहने वाला है। इस दौरान प्रेम विवाह करने की इच्छा रखने वालों को कई तरह की कठिनाइयां झेलनी पड़ेगी। सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों को तबादले में परेशानियां देखने को मिल सकती हैं। कार्यों में सफलता न मिलने से आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। अपने सहकर्मियों से व्यवहार में सावधानी रखें।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों का समय पुराने विवादों में जा सकता है। अगर कोर्ट-कचहरी में कोई मामला चल रहा है, तो वह परेशान कर सकता है। व्यवसाय से जुड़े लोगों को जोखिम भरे निवेश से बचना होगा। इस साल किसी नए रिश्ते में आने से बचना होगा अन्यथा भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। इसी प्रकार धन के दुरुपयोग से बचें अन्यथा बजट गड़बड़ा सकता है। प्रेम संबंध में कोई भी ऐसा कदम न उठाएं। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज के सिलसिले में अधिक भागदौड़ करनी पड़ेगी। साथ ही प्रमोशन के लिए भी अधिक मेहनत करनी होगी।

इस तरह हिंदू पौराणिक कथाओं में कार्तिकेय बने युद्ध के देवता

देवदत्त पट्टनायक। किन कभी-कभार युद्ध करना नेक भी माना जाता है, जब हमारा उद्देश्य स्वतंत्र रहना या अपने सम्मान को बचाए रखना होता है। इस प्रकार, युद्ध से बचना असंभव है, चाहे कारण लालच हो या आवश्यकता। इसी कारण प्रत्येक संस्कृति में युद्ध के देवता पाए जाते हैं।

हिंदू धर्म में कार्तिकेय युद्ध के देवता हैं। इसके लिए उन्हें अत्यंत पौरुष की आवश्यकता थी। इसलिए धर्म ग्रंथ बताते हैं कि उनके एक पिता और कई माताएं हैं। प्रारंभिक कथाओं में अग्नि देव कार्तिकेय के पिता बताए गए हैं और उनकी सहचरी 'स्वाहा' कार्तिकेय की माता। अग्नि देव सप्तऋषियों की पत्नियों को लुभाना चाहते थे। स्वाहा उनकी इच्छा को पूरा करने के लिए सप्तऋषि नक्षत्र की छह पत्नियों का रूप लेकर कृत्तिका नक्षत्र की तारे बनीं।

उत्तरकालीन कथाओं में कार्तिकेय शिव के पुत्र माने गए। संन्यासी होने के कारण शिव संतान उत्पन्न करना नहीं चाहते थे। लेकिन उनमें अत्यधिक प्रजनन क्षमता थी। उधर देवों के विरुद्ध युद्ध में तारकासुर असुरों का नेतृत्व कर रहा था। तारकासुर ने देवों को युद्ध में पराजित करना शुरू किया था। उसे वरदान मिला था कि उसका वध केवल छह दिन के किसी योद्धा द्वारा ही हो सकता है। देव दुविधा में थे कि इतना शक्तिशाली नवजात कहां मिलेगा। उन्हें शिव से प्रार्थना करने को कहा गया। लेकिन ध्यानमग्न शिव देवों की विनती के प्रति उदासीन रहे। देवों ने शिव को विवाह करने और संतान उत्पन्न करने के लिए मनाने के अनेक प्रयास किए। जब कामदेव ने शिव का ध्यान भंग करने का प्रयास किया तो शिव ने तीसरी आंख खोलकर उन्हें भस्म कर दिया। अंत में देवी शक्ति ने अपनी इच्छाशक्ति और शिव के प्रति भक्ति के बल पर उन्हें विवाह करने के लिए तैयार किया।

शक्ति के आग्रह को स्वीकार करते हुए शिव ने देवों को अपनी दिव्य ऊर्जा प्रदान की। परंतु यह ऊर्जा इतनी प्रबल थी कि एक साधारण गर्भ इसे धारण नहीं कर सकता था। वह तेजस्वी अग्नि की भांति प्रज्ज्वलित थी। वायु देव भी उसके ताप को शांत नहीं कर सके। उसकी उष्णता से गंगा का जल भी उबलने लगा। अंततः उस ऊर्जा ने सरकंडों के एक वन को आलोकित किया, जहां वह छह दिव्य रूपों में प्रकट हुई, जिनका पालन-पोषण कृत्तिका नक्षत्र की ताराओं अर्थात कृत्तिकाओं ने किया। फिर शक्ति ने उन छह दिव्य बालकों को छह सिर वाले एक बालक में संयोजित किया और उसे भाला प्रदान किया। इसी से उनका नाम षण्मुख पड़ा। इस प्रकार शिव के पुत्र की अनेक 'माताएं' हुईं।

कार्तिकेय इतने शक्तिशाली थे कि जीवन के सातवें दिन ही उन्होंने देवों का नेतृत्व करते हुए असुरों से युद्ध किया और तारकासुर का वध कर दिया। उनका वाहन मोर है, जो पौरुष गर्व और सुंदरता का प्रतीक है। उनके ध्वज पर कुक्कुट दर्शाया जाता है, जो पौरुष का प्रतीक माना गया है।

मौर्य और गुप्त काल के राजाओं ने कार्तिकेय को युद्ध के देवता के रूप में पूजा। उत्तर भारत में कार्तिकेय को कुंवारा माना जाता है, क्योंकि यह धारणा है कि विवाह करने से पुरुष को नियंत्रित किया जा सकता है। वहीं दक्षिण भारत में, जहां वे अत्यंत महत्वपूर्ण देवता हैं, उन्हें मुरुगन कहा जाता है और उनकी दो पत्नियां मानी जाती हैं - इंद्र की पुत्री देवसेना और एक जनजाति की स्त्री वल्ली। कुछ लोगों के अनुसार ये दोनों स्त्रियां वस्तुतः मुरुगन की सेना और उनके भाले का ही मानवीकरण हैं।

ज्योतिष में कार्तिकेय को मंगल ग्रह से जोड़ा गया और उन्हें सिंह राशि से चिह्नित किया गया। मंगल आक्रामकता, प्रभुत्व और हिंसक प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करता है। मंगल से मंगलवार का संबंध माना गया है। ट्यूसडे शब्द उत्तर यूरोप के वाइकिंग लोगों के युद्ध के देवता 'टायर' से आया है। टायर इतने साहसी थे कि जब एक विशाल भेड़िया पृथ्वी को निगलने वाला था, तब टायर ने अपनी भुजा उस भेड़िए को चबाने के लिए दे दी।

यूनानी आख्यानशास्त्र में एरीज युद्ध के देवता हैं। उनकी बहन इरिस कलह की देवी है। एरीज का विवाह नहीं हुआ, लेकिन उनका प्रेम की देवी एफ्रोडाइटी के साथ संबंध थे।

संक्षिप्त समाचार

पॉवेल की आक्रामक बल्लेबाजी से दुबई कैपिटल्स ने अबूधाबी नाइटराइडर्स को हराया

दुबई। वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल के तेजी से बनाये अर्धशतक से दुबई कैपिटल्स ने आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अबूधाबी नाइटराइडर्स को 83 रन से हरा दिया। इस मैच में पॉवेल ने 52 गेंदों पर आठ चौके और चार छक्के लगाकर नाबाद 96 रन बनाए। पॉवेल की पारी से दुबई कैपिटल्स ने नाइराइडर्स को जीत के लिए 186 रनों का लक्ष्य दिया। जिसका पीछा करते हुए नाइराइडर्स की टीम 15.3 ओवर में 103 रनों पर ही आउट हो गयी। दुबई कैपिटल्स की जीत में पॉवेल की अहम भूमिका नहीं। पॉवेल ने जॉर्डन कॉक्स के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी बनाकर अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। कॉक्स ने 32 गेंदों पर 52 रन बनाये।

विश्व टेनिस लीग का पहला सत्र 17 दिसंबर से खेला जाएगा

बेंगलुरु। भारत में इसी माह 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूएलटी) का पहला सत्र खेला जाएगा। डब्ल्यूएलटी लीग के इस पहले सत्र के लिए मैच कार्यक्रम और टिकट की ब्रिक्री की भी घोषणा कर दी गयी है। इस लीग में सभी टीमें का एक-दूसरे से दो बार मुकाबला होगा। लीग स्तर के अंत में शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। इससे प्रशंसकों को हर मैच में उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर मिलेगा। ये लीग चार-सेट प्रारुप में होगी। इसमें पुरुष एकल, महिला एकल और दो युगल सेट शामिल होंगे।

2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए विराट का टीम में होना जरुरी : कैफ

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विराट कोहली की जमकर की है। कैफ ने कहा कि अगर भारत को 2027 एकदिवसीय विश्व कप जीतना है, तो विराट की जरुरत रहेगी। कैफ ने कहा कि कोहली ने जिस प्रकार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में लगातार दो शतक जमाए और तीसरे मैच में भी अर्धशतक लगाकर भारतीय टीम की जीत की नींव रखी उससे साफ है कि वह जबरदस्त लय में हैं। इसलिए उन्हें विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये।

खत्म हो गए? रोहित-कोहली ने बताया

उनमें अभी काफी क्रिकेट बाकी है और टीम इंडिया अब भी रो-को की है!

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रोहित और कोहली ने फिर दिखाया है कि फॉर्म समय के साथ बदलती है, पर क्लास हमेशा अमर रहती है। ये दोनों सिर्फ खिलाड़ी नहीं, भारतीय क्रिकेट की धरोहर हैं।

कुछ महीने पहले तक सोशल मीडिया और क्रिकेट जगत में चर्चा थी कि क्या टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके रोहित शर्मा और विराट कोहली अभी भी भारत की वनडे टीम में फिट बैठते हैं? न तो ये दोनों घरेलू टूर्नामेंट्स खेलते हैं और न ही 2027 वनडे विश्व कप को लेकर कमिटमेंट दे पा रहे हैं। ऐसे में बीसीसीआई और चयनकर्ताओं ने रोहित और कोहली के भविष्य पर बात करने के लिए मीटिंग तक बुला ली। बात हुई कि क्या नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को

मौका देने के लिए इन दोनों लेजेंड्स को किनारे किया जाना चाहिए? लेकिन पिछले दो सीरीज ने ये साफ कर दिया है कि क्लास कभी आउटडेटेड नहीं होती और अनुभव पर शक करना विश्व क्रिकेट की सबसे बड़ी गलती होती है।

ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर रोहित शर्मा का जलवा: ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर रनों की बारिश करना हमेशा चुनौती माना जाता है। उछाल, गति और विदेशी परिस्थितियां बल्लेबाजों की असली परीक्षा लेती हैं, लेकिन रोहित शर्मा ने अपनी शांत बल्लेबाजी और शानदार टाइमिंग से सब कुछ आसान बना दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में रोहित शर्मा ने 202 रन बनाए और औसत 101 का रहा। नतीजा? उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उनकी बल्लेबाजी में वही पुराना आत्मविश्वास और लय दिखी जिसने उन्हें पहले भी एक बड़ा मैच विजेता बनाया है।

इस दौरे पर रोहित ने पहले वनडे में आठ रन बनाए, लेकिन इसके बाद उनका बल्ला बोला। उन्होंने एडिलेड में दूसरे वनडे में 97 गेंद में 73 रन की पारी खेली। इस पारी में सात चौके और दो छक्के शामिल थे। इसके बाद सिडनी में तीसरे वनडे में रोहित ने 125 गेंद में 13 चौके और तीन छक्के की मदद से 121 रन की नाबाद पारी खेली। उनका फॉर्म दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में भी जारी रहा। भले ही वह इस सीरीज में कोई शतक नहीं लगा सके, लेकिन तीन मैचों में 48.67 की औसत के साथ 146 रन बनाकर वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

दक्षिण अफ्रीका में कोहली की बादशाहत: भारत लौटते ही मंच बदला, गेंदबाज बदले, लेकिन विराट कोहली का अंदाज वही रहा। शांत, सचेत और फिर अचानक विस्फोटक। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन पारियों में कोहली ने 302 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 151 का रहा। इन पारियों के साथ आई एक उपलब्धि। कोहली ने सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। यह सिर्फ रन नहीं थे, यह एक याद दिलाना था कि कोहली सिर्फ खिलाड़ी नहीं, क्रिकेट के असली किंग हैं।

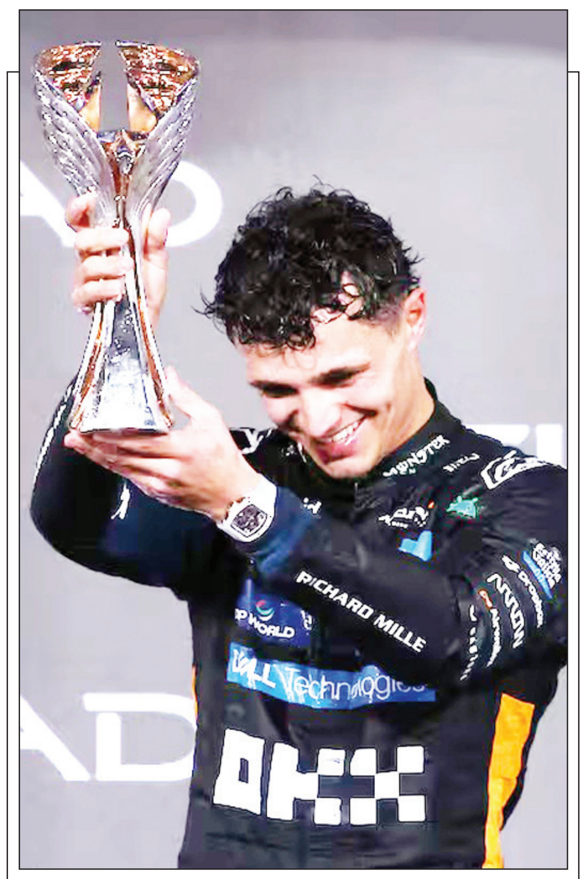

आबू धाबी में मैकलरेन के चालक नैंडो नोरिस जीत के बाद ट्रॉफी के साथ पोंडियम में उत्साहित होते हुए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कटक ■ एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम यहां मंगलवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी । इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव, वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी एडन मार्कराम के पास रहेगी। इसी मैच को जीतकर सीरीज में दोनो ही टीम बढ़त लेने के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि शुभमन गिल फिट हो गये हैं और वह इस मैच में खेलेंगे। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी इस सीरीज से वापसी करेंगे। ये सीरीज अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप को देखते हुए काफी अहम मानी जा रही है। इससे दोनों टीमें अपनी अपनी तैयारियों का आंकलन करेंगी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के अलावा

, तिलक वर्मा, कप्तान सूर्यकुमार व शुभमन गिल पर अधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे। स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव रहेंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी मार्कराम के अलावा डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान केशव महाराज, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी व, एनरिक नोर्खिया संभालेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारतीय टीम: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वाशिंगटन सुंदर।

ऐश्वर्य और अनीष को रजत, मनु भाकर चूकीं

विश्व कप फाइनल में सिमरनप्रीत ने स्वर्ण पदक जीता

दोहा ■ एजेंसी

महिला निशानेबाज सुरुचि सिंह ने दोहा में जारी आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में स्वर्णिम प्रदर्शन किया। हालांकि, स्टार निशानेबाज मनु भाकर फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं और पदक नहीं जीत सकीं।

युवा सिमरनप्रीत कौर बरार ने रविवार को यहां मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करके महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अपने पदार्पण में रजत पदक अपने नाम किया।

विश्व चैंपियनशिप की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल स्पर्धा के रजत पदक विजेता अनीश भानवाला ने भी साल का अंत शानदार तरीके से किया और दूसरा स्थान हासिल किया। जिससे भारत के पदकों की संख्या छह हो गई जिसमें दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं। दूसरे दिन भी शानदार प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में चीन के बाद दूसरा स्थान बनाए रखा। चीन के पास तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक हैं।

इस साल की शुरुआत में लीमा में विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली सिमरनप्रीत के पिता ने अपनी बेटी के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। इस निशानेबाज ने फाइनल में 41 का शानदार स्कोर बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और अपने माता-पिता को फक्र महसूस कराया। उन्होंने साथ ही विश्व जूनियर रिकॉर्ड की बराबरी भी की।

आठ निशानेबाजों के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी भारतीय ईशा सिंह सातवें स्थान पर रहीं। ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर क्वालिफिकेशन दौर में 581 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह नहीं बना पाईं।

क्वालिफिकेशन दौर में 21 साल की सिमरनप्रीत ने 585 के स्कोर से पांचवें स्थान से जबकि ईशा ने 585 के स्कोर से चौथे स्थान से फाइनल में जगह बनाई।

व्यापार समाचार

पीयूष गोयल-सबाइन वेयेंड की मुलाकात पर नजर

एफटीए को रफ्तार देने के लिए भारत-ईयू के बीच वार्ता आज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

यूरोपीय संघ की प्रतिनिधि टीम भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर तेजी से आगे बढ़ रही वार्ताओं को अंतिम रूप देने के लिए आज केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेगी। समझौते से जुड़े अधिकांश मुद्दों पर प्रगति हो चुकी है और वार्ता अब अंतिम चरण में पहुंच गई है।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर वार्ता अब तेज मोड़ पर पहुंच गई है। इसी क्रम में यूरोपीय संघ का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैठक का मकसद साल के अंत तक समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रगति की समीक्षा करना है।

ईयू टीम का नेतृत्व सबाइन वेयेंड, डायरेक्टर जनरल, ट्रेड विभाग कर रही हैं। उनका मुख्य उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं से जुड़े उन मुद्दों को सुलझाना है, जिन पर अभी भी दोनों पक्षों में मतभेद बने हुए हैं।

इन मुद्दों पर अटका है एफटीए: अधिकारी के मुताबिक, भारत-ईयू एफटीए वार्ता में अभी भी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है। इनमें स्टील सेक्टर, कार्बन टैक्स, ऑटोमोबाइल, और नॉन-टैरिफ बैरियर्स जैसे क्षेत्र शामिल हैं। ईयू की ओर से विशेष रूप से ऑटोमोबाइल, मेडिकल डिवाइस, वाइन, स्पिरिट, मांस और पोल्ट्री जैसे उत्पादों पर बड़ी ड्यूटी कटौती की मांग की जा रही है। इसके साथ ही, यूरोपीय संघ एक मजबूत बौद्धिक संपदा अधिकार ढांचा स्थापित करने पर भी जोर दे रहा है, जो उनकी प्राथमिकताओं की सूची में प्रमुख है।

भारत-ई व्यापार संबंध: भारत और यूरोपीय संघ के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 136.53 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

भारत का ईयू को निर्यात: 75.85 अरब डॉलर: भारत का आयात: 60.68 अरब डॉलर ईयू बाजार भारत के कुल निर्यात का 17% हिस्सा है, जबकि ईयू की भारत को निर्यात हिस्सेदारी 9% है।

एफटीए से भारत को क्या फायदा?: विशेषज्ञों का कहना है कि समझौता लागू होने के बाद भारत के कई प्रमुख क्षेत्रों को सीधा लाभ मिल सकता है। रेडीमेड गारमेंट, फार्मास्यूटिकल्स, स्टील, पेट्रोलियम उत्पाद और इलेक्ट्रिकल मशीनरी जैसे सेक्टर यूरोपीय बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धा को और मजबूत कर पाएंगे। इन उत्पादों की पहुंच बढ़ने के साथ भारत का निर्यात भी गति पकड़ सकता है।

2013 में रुकी थीं वार्ताएं: भारत और 27 देशों वाले श्व ब्लॉक ने जून 2022 में एफटीए वार्ता दोबारा शुरू की थी। इससे पहले 2013 में मार्केट एक्सेस को लेकर मतभेदों के चलते बातचीत रुक गई थी। इस बार वार्ता 23 नीति क्षेत्रों को कवर कर रही है, जिनमें व्यापार, सेवाएं, निवेश, कस्टम और व्यापार सुगमता, सरकारी खरीद, विवाद समाधान, ड्डक्कऔर भौगोलिक संकेतक (त्नढ्ढ) शामिल हैं। दोनों पक्ष साल के अंत तक बातचीत समाप्त करने के लिए उत्सुक हैं।

अमेरिकी निर्यात में आई 29 फीसदी की गिरावट

चीन का निर्यात नवंबर में 5.9% बढ़ा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नवंबर में चीन के कुल निर्यात में 5.9% की वृद्धि दर्ज की गई, जो 330.3 अरब डॉलर रहा और पिछले महीने की गिरावट से बेहतर रहा। हालांकि अमेरिका को निर्यात में लगभग 29% की तीखी गिरावट बनी हुई है, जो लगातार आठवें महीने दोहरे अंकों में कमी दर्शाती है। चीन के निर्यात में नवंबर में वृद्धि दर्ज हुई है। वहीं पिछले महीने इसमें अप्रत्याशित गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि अमेरिका को निर्यात में एक साल पहले की तुलना में लगभग 29 प्रतिशत की गिरावट आई। यह लगातार आठवें महीने दोहरे अंकों में गिरावट का संकेत है।

चीन का कुल निर्यात नवंबर में बढ़कर 330.3 अरब डॉलर दर्ज किया गया: सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में चीन से कुल निर्यात डॉलर के लिहाज से पिछले साल की तुलना में 5.9% अधिक रहा। यह 330.3 अरब डॉलर दर्ज किया गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमान से बेहतर है। यह अक्तूबर में हुई 1.1% की गिरावट से बेहतर है। वहीं चीन से अमेरिका को निर्यात में वर्ष के अधिकांश समय गिरावट आई है, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका सहित अन्य गंतव्यों को निर्यात में वृद्धि हुई है। नवंबर में चीन के आयात में 1.9% की वृद्धि हुई, जो अक्तूबर की 1% वृद्धि से बेहतर है। हालांकि संपत्ति क्षेत्र में लगातार मंदी अभी भी उपभोक्ता खर्च और व्यावसायिक निवेश पर दबाव डाल रही है।

ट्रंप और शी की मुलाकात में एक साल के लिए व्यापार युद्धविराम पर सहमति बनी: अक्तूबर के अंत में दक्षिण कोरिया में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी नेता शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक में चीन और अमेरिका के बीच एक साल के लिए व्यापार युद्धविराम पर सहमति बनी। अमेरिका ने चीन पर अपने शुल्क कम कर दिए हैं, और चीन ने दुर्लभ मृदा खनिजों से संबंधित अपने निर्यात नियंत्रणों को समाप्त करने का वादा किया है।

क्या है विशेषज्ञों की राय?: आईएनजी बैंक की अर्थशास्त्री लिन सॉन्ग और दीपाली भार्गव ने एक रिपोर्ट में चीन के निर्यात को लेकर सकारात्मक संकेतों के बीच वैश्विक व्यापार गतिविधि में सुस्ती का खतरा बरकरार है। आईएनजी बैंक के अर्थशास्त्रियों लिन सॉन्ग और दीपाली भार्गव ने एक रिपोर्ट में कहा कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौता और अमेरिकी टैरिफ में कटौती से चीन को फायदा होना चाहिए, लेकिन पिछले साल निर्यात में तेज बढ़त होने की वजह से इस साल की वृद्धि कम दिख सकती है।

आईसीसी के साथ डील तोड़ेगी जियोस्टार

नई दिल्ली। रिलायंस के कंट्रोल वाली जियोस्टार ने आईसीसी के साथ 2024-27 के इंडिया मीडिया राइट्स डील से बाहर निकलने का फैसला किया है। जियोस्टार ने आईसीसी से कहा है कि भारी फाइनेंशियल नुकसान की वजह से वो चार साल की डील के बाकी दो साल पूरे नहीं कर पाएगी। 2026 में भारत-श्रीलंका में होने वाले मेन्स टी20 वर्ल्ड कप से पहले लिए गए इस फैसले के बाद आईसीसी ने सोनी, नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम वीडियो से संपर्क किया है। लेकिन अभी तक किसी भी प्लेटफॉर्म ने कीमत ज्यादा होने की वजह से राइट्स में दिलचस्पी नहीं दिखाई। ये डील 2024-27 के लिए 3 अरब (करीब 25,000 करोड़ रुपए) की थी, जिसमें हर साल एक बड़ा मेन्स इवेंट शामिल है। ये जानकारी इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में सामने आई है।

पुराने नामों से नई पहचान: ऑटो कंपनियों की रणनीति रंग ला रही

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियां पुराने और प्रसिद्ध ब्रांड नामों का इस्तेमाल करके ग्राहकों का ध्यान खींच रही हैं। नए मॉडल्स की भीड़ में यह रणनीति कंपनियों को अलग पहचान बनाने और पुराने ग्राहकों की भावनाओं से जुड़ने में मदद करती है। आईसीआरए के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी के अनुसार, पुराने ब्रांड्स में पहले से भरोसा और पहचान मौजूद होती है, इसलिए नए मॉडल जल्दी अपनाए जाते हैं और मार्केटिंग खर्च भी कम होता है। टाटा मोटर्स ने लगभग तीन दशक बाद सिएरा को वापस लाया और 2021 में सफारी को रिवाइवल किया। मारुति सुजुकी ने 2015 में बालेनो को प्रीमियम हैचबैक के रूप में लॉन्च किया।

वीआई ने एजीआर बकाया में छूट और पुनर्गणना का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली। पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट झेल रही निजी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने दूरसंचार विभाग को प्रस्ताव सौंपा है। कंपनी ने एजीआर (एडजस्टड ग्रास रेवेन्यू) बकाया की पुनर्गणना करने और जुर्माने तथा ब्याज पर एकमुश्त छूट देने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव में बकाया राशि की गणना में मौजूद अंकगणितीय त्रुटियों और दोहराव को हटाकर इसे समायोजित करने का प्रस्ताव है। सूत्रों के अनुसार इससे बकाया राशि करीब आधी हो सकती है, जिससे कंपनी अपने वित्त से ब्याज का भुगतान करने में सक्षम होगी। वित्त वर्ष 2017 तक वीआई की एजीआर देनदारी 58,254 करोड़ रुपये थी।

निवेशक सक्रिय फंड छोड़ पैसिव फंड की ओर, एक साल में फोलियो तीन गुना बढ़कर 4.81 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जब शेयर बाजार तेजी से करवट लेता है, तो अनुभवी फंड मैनेजर भी बाजार को मात देने में पसीना छोड़ देते हैं, दिन भर में उलट-पलट होते बाजार में म्यूचुअल फंड निवेशक एक बड़ा बदलाव ला रहे हैं।

पैसिव फंड में इंडेक्स फंड, ईटीएफ (गोल्ड, सिल्वर व अन्य) और विदेशी एक्सचेंज जैसे हैंगसेंग, न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में निवेश के लिए फंड ऑफ फंड्स (ओवरसीज) शामिल हैं। कम खर्च, आसान निवेश और स्थिर लॉन्ग-टर्म रिटर्न की वजह से ये फंड तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। म्यूचुअल फंड में निवेशक के नियम बदल रहे हैं। पुराना नियम था, तेज उतार-चढ़ाव में जानकार या फंड मैनेजर का हाथ थामो, यानी एक्टिव फंड पर दांव लगाओ, जिसे कोई विशेषज्ञ संभालता है। मगर अब पिछले एक साल के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि निवेशक सक्रिय (एक्टिव) फंड्स के बजाय तेजी से निष्क्रिय (पैसिव) फंड्स पर भरोसा कर रहे हैं।

AMFI के मुताबिक, पैसिव फंड फोलियो अक्तूबर, 2025 तक 3 गुना से ज्यादा बढ़कर 4.81 करोड़ हो गए। अक्तूबर, 2024 में यह 1.30 करोड़ था। इसके मुकाबले एक्टिव फंड (ओपन एंडेड 10 व इक्विटी 16.5 फीसदी) में फोलियो की वृद्धि दर आधी है।

क्यों बढ़ रहे हैं पैसिव फंड के कद्रदान?: भारतीय निवेशकों ने अपने तजुर्बे से सीख लिया है कि बाजार में अनिश्चितता होती है, तो ज्यादा फीस देकर किसी फंड मैनेजर के पूर्वाग्रह या गलत फैसलों पर निर्भर रहने से बेहतर है कि कम लागत वाले पैसिव फंड को अपनाया जाए। निवेशकों की बदलती पसंद के कारण पिछले एक साल में एक्टिव फंड की तुलना में पैसिव फंड में सबसे ज्यादा नई स्कीमें लॉन्च हुई हैं...

पैरामीटर	अक्तू.25	अक्तू.24	वृद्धि
ओपन एंडेड स्कीम	329	315	14%
ग्रोथ/इक्विटी स्कीम	539	471	68%
पैसिव फंड स्कीम	546	687	141%

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में सहकारी सम्मेलन का आयोजन किया

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में 08 दिसंबर 2025 को एक सहकारी सम्मेलन का आयोजन किया। मध्य प्रदेश सरकार के माननीय सहकारिता मंत्री, श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को 'सहकारिता एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती है' थीम के साथ दूसरे अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में घोषित किया है। इस वैश्विक पहल का उद्देश्य इस बारे में जागरूकता बढ़ाना है कि सहकारी समितियां किस प्रकार मानवीय आवश्यकताओं और सामूहिक

लाभों पर केंद्रित एक व्यवसाय मॉडल प्रदान करती हैं।

इस कार्यक्रम में सहकारिता विभाग, मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक (एपेक्स बैंक), जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों, और मध्य प्रदेश भर की प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया. NABARD की चीफ जनरल मैनेजर, सी. सरस्वती ने बताया कि यह कॉन्क्लेव ग्रामीण सशक्तिकरण, आर्थिक विकास, न्यूट्रिशन सिक्योरिटी और आत्मनिर्भरता के लिए कोऑपरेटिव को एक सस्टेनेबल टूल के तौर पर मजबूत करने पर गहरी चर्चा को बढ़ावा देने की कोशिश करता है - जो माननीय प्रधानमंत्री के बताए गए विकसित भारत ञ्च2047 के विजन को पाने के लिए मुख्य पिलर हैं।

माननीय कोऑपरेशन मिनिस्टर ने इवेंट के दौरान सबसे अच्छा परफॉर्म करने वाले को सम्मानित किया। अपने भाषण में, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह कॉन्क्लेव सिर्फ एक सभा नहीं है, बल्कि कोऑपरेटिव मॉडल में सामूहिक विश्वास की पुष्टि है - एक ऐसा मॉडल जो आम नागरिक को सशक्त बनाता है, सबसे कमजोर को मजबूत बनाता है। और साझा समृद्धि के लिए समुदायों को एकजुट करता है। उन्होंने कोऑपरेटिव को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए राज्य द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में विस्तार से बताया।

संक्षिप्त समाचार

बंकिमचंद्र के परिवार ने की पीएम की सराहना, बंगाल सरकार पर लगाया उपेक्षा का आरोप

कोलकाता। 'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के परिवार ने सोमवार को संसद में इस प्रतिष्ठित गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई पहल की सराहना की है। परिवार का कहना है कि यह सम्मान लंबे समय से अपेक्षित था और इससे बंकिमचंद्र की ऐतिहासिक भूमिका को उचित स्थान मिला है। 'वंदे मातरम्' नवंबर 1875 में लिखा गया था और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत देशभक्तों का प्रेरणास्रोत बना। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के पौत्र सजल चट्टोपाध्याय ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने इस महान साहित्यकार की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि जो कुछ हो रहा है वह बंगाल और हिन्दू समाज के लिए बेहद शर्मनाक है। मैं केंद्र सरकार को सलाम करता हूं। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय देश के पहले स्नातक थे, लेकिन उनके नाम पर कुछ भी नहीं है, सिर्फ उनकी संपत्ति ही उनकी पहचान बनी हुई है। मेरा मानना है कि जैसे रवीन्द्रनाथ टैगोर के नाम पर विश्वविद्यालय हैं, वैसे ही हर राज्य में एक विश्वविद्यालय बंकिमचंद्र के नाम पर होना चाहिए। संसद में प्रधानमंत्री मोदी ने उनके बारे में जो कहा, वह अत्यंत सम्मानजनक है।'

राधाकृष्णन ने की रास सदस्यों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में अंशदान की अपील

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में अपना एक माह का वेतन दान किया है। उन्होंने राज्यसभा के सभी सदस्यों से भी इस निधि में योगदान देने का अनुरोध किया है। राधाकृष्णन ने सोमवार को सदन की बैठक की शुरुआत करते हुए कहा कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस हर साल 7 दिसंबर को युद्ध में शहीद हुए सैनिकों और उन वर्दीधारी सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है, जिन्होंने न केवल हमारे देश की सीमाओं की रक्षा की, बल्कि आतंकवाद और उग्रवाद से भी बहादुरी से लड़ाई लड़ी। इस दिन सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि (एएफएफडीएफ) के लिए दान एकत्र किया जाता है, जिसका उपयोग युद्ध विधवाओं, युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों और विकलांगों सहित पूर्व सैनिकों (ईएसएम) के कल्याण और पुनर्वास के लिए किया जाता है। उन्होंने सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में उदारतापूर्वक योगदान दें। उन्होंने कहा कि सदस्य अपने मित्रों और रिश्तेदारों से भी इस निधि में योगदान देने का अनुरोध कर सकते हैं।

पुतिन को प्लेन, हेलीकॉप्टर से ज्यादा ट्रेन पर भरोसा

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन दुनिया के सबसे सुरक्षित और सबसे छिपे हुए नेता माने जाते हैं। प्लेन, हेलीकॉप्टर इन सबसे बचते हुए पुतिन जिस चीज पर भरोसा करते हैं, वह है उनकी मशहूर 'घोस्ट ट्रेन'। यह 22 डिब्बों वाली बख्तरबंद ट्रेन ऐसी है जो दिखे भी तो रहस्य जैसी और चले तो किसी को भनक तक ना लगे। 2023 में आए लीक दस्तावेजों ने पहली बार इसकी अंदरूनी दुनिया की खोल दी थी जिसमें लक्जरी भी है, सुरक्षा भी और पुतिन की निजी पसंद और डर भी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ट्रेन रूस की विशाल रेलवे लाइनों पर ऐसे चलती है जैसे कोई अदृश्य साया। यह न किसी ऐप में दिखती है, न किसी टाइमटेबल में दर्ज होती है। इसकी रफ्तार भी ऐसी कि कोई उसकी लोकेशन का अंदाजा न लगा सके। पुतिन का हवाई सफर से डर अब कोई नई बात नहीं है। सैटेलाइट निगरानी और मिसाइल हमलों के दौर में उन्हें आसमान सबसे ज्यादा असुरक्षित लगता है। रूस की सुरक्षा एजेंसी से दलबदल कर चुके ग्लेब कराकुलोव ने 2022 में कहा था कि प्लेन जैसे ही उड़ता है, वह तुरंत रडार में आ जाता है। ट्रेन मूवमेंट छुपाती है। इस ट्रेन का नाम घोस्ट ट्रेन रूसी ट्रेनस्पॉटर्स ने दिया था, जब उन्होंने साइबेरिया के इलाके में चलती इस रहस्यमय ट्रेन के सफेद एंटीना डोम देखे।

पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते- भारत

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कारावास एवं उसे लेकर जारी राजनीतिक आंदोलन पर कटाक्ष करते हुए आज कहा कि यह शुरू से ही जगजाहिर है कि पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल सोमवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तान में जारी घटनाक्रम को लेकर पूछे गये सवालों पर टिप्पणी करते हुए सोमवार को कहा कि वहां लोकतंत्र पर जितनी बात की जाए उतनी कम है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में रखने और वहां स्थिति से जुड़े सवाल पर जायसवाल ने कहा कि भारत पड़ोसी देश के हर घटनाक्रम पर बारीक नजर रखता है।

गाजा की सुरंगों में अभी तक सैकड़ों हमास लड़ाके फंसे

यरुशलम। गाजा को तबाह कर देने वाली लड़ाई में हमास के कई खूंखार लीडर्स मौत के घाट उतारे गए। यही नहीं गाजा की सुरंगों में अभी तक सैकड़ों हमास लड़ाके फंसे हैं। दम घोंट देने वाली इन सुरंगों के भीतर ना कोई जानकारी पहुंचती है और ना ही बाहर आती है। इन लड़कों को शांति समझौते के बारे में कुछ पता भी नहीं है और वो डर के मारे यहां से निकल ही नहीं रहे हैं। इस बीच इजरायल ने 40 लड़ाकों को लेकर चौंकाने वाला दावा कर डाला है। इजरायल तक पहुंचने के लिए गाजा में बनाई गई इन अंधेरी गुफाओं में युद्ध के दौरान करीब 200 हमास लड़ाके घुस गए थे। यहां ना ठीक से ऑक्सीजन पहुंचती थी और ना ही सूरज की एक भी किरण दिखती थी फिर भी लड़ाकों को लग रहा था कि ये सबसे सुरक्षित जगह है लेकिन अब इजरायल ने दावा किया है कि 200 में से 40 लड़ाकों को मौत के घाट उतार दिया गया है।

आईआईटी खड़गपुर में पांच दिवसीय नवाचार महोत्सव एसआईएच-2025 का आगाज

खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर में सोमवार को स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2025 – हार्डवेयर संस्करण के ग्रैंड फिनाले का विधिवत शुभारंभ हुआ। इसके साथ ही 8-12 दिसंबर तक चलने वाली पांच दिवसीय राष्ट्रीय नवाचार यात्रा की शुरुआत हुई। उद्घाटन समारोह में अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। डीन (प्रशासन) प्रोफेसर कमल लोचन पाणिग्राही तथा प्रौद्योगिकी छात्र व्यायामशाला (जिमखाना) के अध्यक्ष प्रोफेसर जितेन्द्र महाकुद ने नवाचार को बढ़ावा देने एवं युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने पर अपने विचार व्यक्त किए।

ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद की बैठक नई दिल्ली में सम्पन्न
यूएनएसडब्ल्यू को भारत में कैंपस खोलने के लिए 'लेटर ऑफ इंटेंट' सौंपा गया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शिक्षा व कौशल विकास के क्षेत्र में सहयोग को नई गति देने के उद्देश्य से ऑस्ट्रेलिया-इंडिया एजुकेशन एंड स्किल्स काउंसिल (एआईईएससी) की तीसरी बैठक सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान व कौशल विकास एवं उद्यमिता तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने की, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर, कौशल एवं प्रशिक्षण मंत्री एंड्रयू गाइल्स तथा अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सहायक मंत्री जूलियन हिल उपस्थित रहे।

बैठक में स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, शोध, कौशल विकास तथा दो देशों के बीच संस्थागत सहयोग को और मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने गत वर्षों में हुए प्रगति कार्यों की समीक्षा करते हुए शैक्षणिक मार्गों को विस्तृत करने, दोतरफा छात्र एवं पेशेवर गतिशीलता बढ़ाने और नियामक सहयोग को गहरा करने पर सहमति जताई।

इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में विश्व के शीर्ष-20 विश्वविद्यालयों में शामिल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स (यूएनएसडब्ल्यू) को भारत में कैंपस स्थापित करने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) सौंपा गया। इससे पहले चार अन्य ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों को भी इसी वर्ष ऐसे एलओआई दिए जा चुके हैं। अब तक सात ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के आठ कैंपस भारत में स्थापित होने की प्रक्रिया में हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एआईईएससी बैठक ने भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी को आगे बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभाई है।

गुजरात के इतिहास के सबसे बड़े साइबर क्राइम का भंडाफोड़ : दुबई-चीन कनेक्शन उजागर
भावनगर से 719 करोड़ के अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश

भावनगर ■ एजेंसी

गुजरात पुलिस के साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी साइबर क्राइम कार्रवाई में सात सौ करोड़ से अधिक के अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

भावनगर से संचालित इस नेटवर्क ने म्यूल बैंक खातों, आंगड़िया चैनल और क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट्स के जरिए 719 करोड़ रु. का मनी लॉन्ड्रिंग किया था। इस मामले में भावनगर स्थित एक निजी बैंक के दो कर्मचारियों सहित कुल 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इस गिरोह के तार दुबई और चीन की कुख्यात साइबर सिंडिकेट्स से जुड़े हैं।

इस बाबत स्टेट साइबर सेल पुलिस अधीक्षक डा. राजदीप सिंह झाला ने बताया कि यह गिरोह 1544 अपराधों में सक्रिय था। उन्होंने बताया कि इस मामले में दस आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं। ये गुजरात सहित अन्य राज्यों में म्यूल खाते खोल रहे थे।

देश के 26 राज्यों में सक्रिय था गैंग का नेटवर्क

पुलिस जांच में सामने आया कि यह रैकेट 26 राज्यों और 5 केंद्रशासित प्रदेशों में सक्रिय था। भावनगर की इंडसइंड बैंक शाखा में करीब 110 फर्जी खाते खोले गए थे। साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों के पैसे इन म्यूल खातों में जमा किए जाते थे। उसके बाद पैसे नकद रूप में निकालकर आंगड़िया पद्धति से ट्रांसफर किए जाते और अंत में यूएसडीटी क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर दुबई और चीन स्थित सीएडीसीएटी साइबर क्राइम सिंडिकेट के ऑपरेटरों को भेजे जाते थे।

इस नेटवर्क के जरिए पूरे देश में हजारों लोगों को ठगा गया। इन प्रमुख प्रभावित राज्यों में महाराष्ट्र में 300 केस, तमिलनाडु में 203, कर्नाटक में 194, तेलंगाना में 128, गुजरात में 97, केरल में 91 केस, उत्तर प्रदेश में 88, दिल्ली में 74 केस दर्ज हैं। यह सिंडिकेट मुख्य रूप से 8 तरह के साइबर फ्रॉड करता था। निवेश धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट स्कैम, पार्ट-टाइम जॉब स्कैम, लोन फ्रॉड, यूपीआई फ्रॉड, वॉइस फिशिंग आदि।

गिरफ्तार 10 आरोपितों के नाम

एफआईयू और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पुलिस ने इन 10 लोगों को गिरफ्तार किया है:

1. अल्पेश घनश्यामभाई मकवाणा: नकद निकासी और म्यूल अकाउंट सप्लायर।
2. महेंद्र रमेशभाई मकवाना: नकद निकासी और म्यूल अकाउंट सप्लायर।
3. अबूबकर अलीभाई शेख (बैंक कर्मचारी): बैंक खातों की अनधिकृत एक्सेस।
4. पार्थ प्रफुलभाई उपाध्याय (बैंक कर्मचारी): फर्जी खातों का संचालन।
5. प्रतिक अरविंदभाई वघाणी: म्यूल अकाउंट और कैश हेंडलर।
6. विपुल कालेभाई डांगर: फंड हेंडलर।
7. जयराजसिंह बलवंतसिंह राइजादा: नकदी को यूएसडीटी में बदलने वाला।
8. गुरुपुरबसिंह सतनामसिंह टांक: दुबई-चीन ट्रांसफर ऑपरेटर।
9. तेजस जितेन्द्रकुमार पंड्या: विदेशी ऑपरेटरों की ओर से क्रिप्टो ट्रांजैक्शन।
10. दिव्यराजसिंह नरेंद्रसिंह झाला: दुबई स्थित हैंडलर, चीन की गैंग से मुख्य लिंक।

पुलिस ने आरोपितों के पास से 30 मोबाइल फोन, क्रिप्टो वॉलेट्स के पासवर्ड और अन्य डिजिटल सबूत बरामद किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में आगे और गिरफ्तारियाँ होने की संभावना है।

इंडिगो ने ऑपरेशन फिर शुरू करने और पैसा लौटाने के लिए क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप बनाया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस इंडिगो की बाधित उड़ान सेवाएं सोमवार को भी पटरी पर नहीं लौट सकीं हैं। नई दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद और पटना एयरपोर्ट से इंडिगो की अब तक 500 से अधिक फ्लाइट रद्द हो चुकी हैं। एयरलाइंस ने ऑपरेशन फिर शुरू करने, रिफंड जल्दी जारी करने और पैसेंजर को समय पर मदद के लिए एक क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप बनाया है।

इंडिगो का कहां है कि उसका क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप (सीएमजी) चल रही रुकावट पर करीबी से नज़र रख रहा है। सबसे बड़ी प्राथमिकता 100 फीसदी ऑपरेशनल कैपेसिटी को बहाल करना, समय पर जानकारी मिलना पक्का करना और प्रभावित यात्रियों के लिए रिफंड और रीशेड्यूलिंग को तेज़ी से करना है। इंडिगो ने स्पष्ट किया है कि संकट शुरू होने के साथ ही कंपनी का बोर्ड लगातार सक्रिय है। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि संकट शुरू होने के बाद से बोर्ड की बैठकें नियमित रूप से हो रही हैं। एयरलाइंस ने बताया कि सबसे पहली आपात बैठक 4 दिसंबर को ही हुई थी, उसी बैठक में बोर्ड ने क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप (सीएमजी) का गठन किया था।

इस बीच राज्यसभा में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि इंडिगो का संकट उसके क्रू रोस्टरिंग और इंटरनल प्लानिंग सिस्टम में समस्याओं के कारण हुआ। इससे यात्रियों को काफी दिक्कतें हुईं। हम इसे हल्के में नहीं लेंगे। जांच जारी है। हम ऐसा एक्शन लेंगे जो दूसरों के लिए मिसाल बने।

नागर विमानन मंत्रालय के मुताबिक इंडिगो यात्रियों के 4,500 बैग लौटा चुकी है, जबकि अगले 36 घंटों में बाकी 4,500 बैग भी यात्रियों को सौंपने का लक्ष्य है। मंत्रालय के मुताबिक 1 से 7 दिसंबर, 2025 के बीच 5,86,705 टिकट रद्द हुए और उनका पैसा वापस किया गया है। टिकट कैंसिल होने के कारण यात्रियों को 569.65 करोड़ रुपये का रिफंड किया गया। 21 नवंबर से 7 दिसंबर के बीच 9,55,591 टिकट रद्द हुए और इससे कुल 827 करोड़ रुपये रिफंड दिया गया। मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो ने 500 उड़ानें रद्द कीं और आज 138 में से 137 गंतव्यों के लिए 1,802 उड़ानों के संचालन की योजना है। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि इंडिगो की फ़्लाइट्स में देरी जारी रह सकती है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि किसी भी परेशानी से बचने के लिए एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी एयरलाइन से फ़्लाइट का लेटेस्ट स्टेटस चेक कर लें।

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ में 45 लाख के इनामी रामधेर मज्जी सहित 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

खैरागढ़/रायपुर ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले के बकरकट्टा थाना के गांव कुम्ही में सोमवार सुबह रामधेर मज्जी सहित सीपीआई सीसीएम, डीवीसीएम, एसीएम और पीएम स्तर के 12 नक्सलियों नें 12 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। इन पर कुल 81 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें सबसे बड़ा 45 लाख का इनामी नक्सली और केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) तथा एमएमसी (मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़) जोन प्रभारी रामधेर मज्जी है। इलाके में मज्जी का ही आदेश चलता था। इनमें से कई के खिलाफ गंभीर नक्सली घटनाओं में शामिल होने के आरोप रहे हैं।

रामधेर को हाल ही में एमएमसी जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।पुलिस का दावा है कि रामधेर के आत्मसमर्पण से इलाके मे एमएमसी जोन का खात्मा हो गया है। खैरागढ़ जिला प्रशासन ने आज है बताया कि छह महिला सहित कुल 12 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में वापस आने का निर्णय लिया है। सभी को शासन के पुनर्वास योजना का लाभ दिलाया जाएगा। आत्मामर्पण के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ा है। यह आत्मसमर्पण क्षेत्र में नक्सली नेटवर्क को समाप्त करने की दिशा में बड़ी सफलता मानी जा रही है।

ईसीआई ने पश्चिम बंगाल में पांच डिवीजन में नए स्पेशल रोल ऑब्जर्वर तैनात किए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में स्पेशल रोल ऑब्जर्वर की पहले हुई नियुक्ति के बाद ईसीआई ने अब एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पांच नए स्पेशल रोल ऑब्जर्वर नियुक्त कर दिए हैं।ईसीआई ने 5 डिवीजन-प्रेसिडेंसी डिविजन, मेदिनीपुर, बर्दवान, मालदा और जलपाईगुड़ी के लिए अफसरों की तैनाती कर दी है ताकि एसआईआर से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं पर और अधिक कड़ी निगरानी रखी जा सके। इस नियुक्ति का उद्देश्य एसआईआर फॉर्म के वितरण, संग्रह, डिजिटाइजेशन और ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने से पहले होने वाले हर काम में किसी भी तरह की चूक को रोकना है।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम

#Docume ntNumber#/भू.अ./2025 नर्मदापुरम, दिनांक 02-12-2025

-:सार्वजनिक सूचना:-

प्रकरण क्रमांक 0002/अ-82/2024-25-चूंकि राज्य शासन को प्रतीत होता है कि निम्न अनुसूची के खाने कमांक 01 लगायत 06 में अर्जित भूमि की अनुसूची के खाने 09 में उल्लेखित सार्वजनिक प्रायोजन के लिये आवश्यकता है। उक्त प्रयोजन हेतु प्रकरण में मध्य प्रदेश शासन राजस्व विभाग मंत्रालय भोपाल के परिपत्र कमांक एफ 12-2/2014/सात/शा.2 ए, भोपाल दिनाक 08 अक्टूबर 2024 के द्वारा प्रतिपादित आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति के तहत कार्यवाही प्रचलित है। अतएव निम्न दर्शित भूमि धारकों से प्राप्त सहमती के आधार पर अनुसूची के खाने 09 में उल्लेखित परियोजना के लिये राज्य सरकार से संबंधित विभाग / उपक्रम के पक्ष में क्रय किये जाने पर विचार किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति की भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो यह नियत अवधि (सार्वजनिक सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर) में आधार सहित प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेंगा।

//अनुसूची//
भूमि का विवरण

क्रं.	भूमि स्वामि का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	कुल रकबा (हैक्ट. मे)	अर्जित रकबा (हैक्ट.में)	सहमति प्राप्त/अप्राप्त	प्राधिकारी अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	भूपेन्द्र सिंह, गजेन्द्र सिंह, मनोरमाबाई नगेन्द्र सिंह सभी पिता महेन्द्र सिंह	मढावन	149/1	0.13	0.13	सहमति प्राप्त	एम.पी.आई.डी.सी. भोपाल	औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई द्वितीय चरण को जोडने वाली सडक निर्माण हेतु
2	रेखराज चंद्राकर पिता पवन कुमार		149/2/1	0.345	0.220	सहमति प्राप्त		
3	रेखराज चंद्राकर पिता पवन कुमार		149/4		0.261	सहमति प्राप्त		
4	रेखराज चंद्राकर पिता पवन कुमार		149/3	0.656	0.175	सहमति प्राप्त		
5	कुसुम चंद्राकर पत्नि रेखराज		151	0.494	0.187	सहमति प्राप्त		
6	रेखराज चंद्राकर पिता पवन कुमार चंद्राकर		148	0.849	0.198	सहमति प्राप्त		
7	रेखराज चंद्राकर		147/3	0.648	0.159	सहमति प्राप्त		
8	कुसुम चंद्राकर पत्नि रेखराज		152/3	0.405	0.015	सहमति प्राप्त		
9	रेखराज चंद्राकर पिता पवन कुमार		147/2	0.652	0.153	सहमति प्राप्त		
10	नगेन्द्र सिंह पिता महेन्द्र सिंह		152/1	0.263	0.0006	सहमति प्राप्त		
11	घनीमा चंद्राकर पति प्रेरित चंद्राकर		146/2	1.153	0.838	सहमति प्राप्त		
12	प्रेरित चंद्राकर पिता पवन कुमार		146/3	1.149	0.221	सहमति प्राप्त		
13	मंगलसिंह पिता गप्पी सिंह		139/4	0.202	0.202	सहमति प्राप्त		
14	सावित्रीबाई पुत्री गप्पी सिंह		139/3	0.130	0.130	सहमति प्राप्त		
15	सुप्यारसिंह पिता गप्पी सिंह		139/2	0.263	0.042	सहमति प्राप्त		
16	मंगल सिंह पिता गप्पी सिंह	मढावन	139/5	0.129	0.016	सहमति प्राप्त		
17	महेंद्र सिंह पिता डल्लूसिंह		196/3	0.777	0.003	सहमति प्राप्त		
18	महेंद्रसिंह तोमर पिता डल्लूसिंह		196/1/1	0.131	-	सहमति प्राप्त		
19	महेंद्र सिंह तोमर पिता डल्लूसिंह		196/1/2	0.132	0.132	सहमति प्राप्त		
20	भागवती जमनाबाई रमेश एव बदामी सभी पिता छन्नू		196/2	0.129	0.129	सहमति प्राप्त		
21	हीराबाई पति लालताप्रसाद		191/2	1.474	0.118	सहमति प्राप्त		
22	पुरुषोत्तम पिता भैयालाल		195/2	0.389	0.047	सहमति प्राप्त		
23	गौतम पिता भैयालाल		195/3	0.186	0.076	सहमति प्राप्त		
24	लूमाबाई पत्नि गणेशा		195/4	0.405	0.340	सहमति प्राप्त		

नोट :- भूमि का नक्शा भू-अर्जन अधिकारी नर्मदापुरम जिला नर्मदापुरम के कार्यालय में कार्यालयीन दिवस एवं समय में देखा जा सकता है।

(सोनिया मीणा)
कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव,
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग
जिला-नर्मदापुरम

जी 22406/25

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग बैतूल (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 10-डी.एल./2025-26 बैतूल, दिनांक 04/12/2025

-:: निविदा सूचना ::-

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क्र.	टेण्डर नम्बर	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख मे)	अमानत राशि	समयावधि	भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्वातेज)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2025_PWDRB _465984_1	बैतूल	सडक कार्य	खोखरा से मलाजपुर मार्ग। लम्बाई 2.10 कि.मी.	प्रथम आमंत्रण	258.96	2,58,959/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
2	2025_PWDRB _465992_1	बैतूल	सडक कार्य	लो.नि.वि. उपसंभाग भैंसदेही एवं चिचोली मे विभिन्न मार्गो का सर्वे एवं डी.पी.आर. तैयार करने का कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	10.00	20, 000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
3	2025_PWDRB _465995_1	बैतूल	सडक कार्य	लो.नि.वि. उपसंभाग बैतूल एवं मुलताई मे विभिन्न मार्गो का सर्वे एवं डी.पी.आर. तैयार करने का कार्य।	द्वितीय आमंत्रण	10.00	20, 000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
4	2025_PWDRB _465996_1	बैतूल	सडक कार्य	डेडरामोहर पहुँच मार्ग का बी.टी. रिनीवल। लम्बाई 0.20 कि.मी.	द्वितीय आमंत्रण	2.24	4,480/-	01 माह (वर्षाकाल रहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.
5	2025_PWDRB _466000_1	बैतूल	भवन कार्य	लो.नि.वि. उपसंभाग भैंसदेही मे एफ टाईप जज क्वार्टर का विशेष मरम्मत कार्य।	प्रथम आमंत्रण	8.46	16,921/-	04 माह (वर्षाकाल सहित)	EMD and all Documents Submission Online Only.

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अन्तिम दिनांक 19/12/2025 सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट मे देखा जा सकता है। निविदा मे होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों मे प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ./स.)
संभाग बैतूल (म.प्र.)

जी 22413/25

उपद्रवी 11 छात्रों को शाला से किया निष्कासित

अब बस वार्षिक परीक्षा के लिए आएंगे शाला, विधायक के ग्रह ग्राम की हालत

सिवनी मालवा ■ निसं

विधायक प्रेमशंकर वर्मा के ग्रह ग्राम बघवाड़ा की शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में उपद्रव करने वाले 11 उपद्रवी छात्रों को शाला के प्राचार्य सुनील झिरानियाँ ने शाला से निष्कासित कर दिया है। अब यह सभी 11 उपद्रवी छात्र बस वार्षिक परीक्षा देने के लिए ही शाला में आएंगे। प्राचार्य ने इसकी लिखित जानकारी विधायक प्रेमशंकर वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम, संयुक्त संचालक नर्मदापुरम, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सिवनीमालवा एवं थाना प्रभारी सिवनीमालवा को दी है। जिसमे प्राचार्य ने लिखा है कि 6 दिसंबर 25 को शाला में प्रार्थना सभा के बाद किसी बात को लेकर छात्रों के बींच लड़ाई हो गयी। जिसमे डंडे और कड़े से मारपीट हुई। इस हाथापाई में बघवाड़ा और खुटवासा के लोग भी शामिल हुए। जिसमे शाला के कुछ छात्र आहत हुए। जिनके पाल

गणो ने शाला में उपस्थित होकर घटना को संज्ञान में लिया। जिसमे शाला परिवार एवं उपस्थित ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि घटना में लिप्त छात्रों को शाला से निष्काषित किया जाए। यह सभी निष्काषित 11 छात्र शाला से निष्कासित किये गये है। जो अब वार्षिक परीक्षा में ही परीक्षा देने के लिए शाला में आएंगे।

इस बींच कोई अप्रिय घटना होती है तो शाला परिवार जबाबदार नही होगा। ग्राम बघवाड़ा सरपंच बेनीराम लोवंशी सहित उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि शाला से निष्काशित किये गये छात्र आये दिन शाला में लड़ाई झगड़ा, छात्राओं से छेड़छाड़ करना, शाला में बेवजह आतिशबाजी करना, शासकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाना, शिक्षको के साथ अभद्रता करना, गाली गलोच करना और शिक्षकों को मारने की धमकी देने जैसा कृत्य करते चले आ रहे थे। यदि भविष्य में यह छात्र शाला परिसर के आसपास आपराधिक कृत्य करते नजर आएंगे तो थाने में इनकी शिकायत की जायेगी। यदि इन छात्रों को लेकर ग्राम बघवाड़ा और ग्राम खुटवासा के बींच विवाद करते है तो शाला प्रबंधन की जबाबदारी नही रहेगी। नागरिकों का कहना है कि जब विधायक के ग्रह ग्राम की शाला में यह अराजकता है तो फिर नगर सहित पूरी तहसील की अराजकता और अपराध की क्या स्थिति होगी यह विचारणीय है।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने

आर्ष गुरुकुल नर्मदापुरम में पुस्तकालय भवन निर्माण का किया भूमिपूजन

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने रविवार को आर्ष गुरुकुल नर्मदापुरम परिसर में पुस्तकालय भवन कक्ष निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। यह निर्माण कार्य राज्यसभा सांसद श्रीमती नारोलिया की सांसद निधि ?10 लाख की राशि से कराया जा रहा है।भूमि पूजन स्वामी ऋतस्पति परिवाजक नैस्टिक के आचार्यत्व में धार्मिक विधि विधान से सम्पन्न हुआ।

भूमिपूजन समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, कुंवर सिंह यादव, अखिलेश खंडेलवाल,भारत सिंह राजपूत, मनोहर बडानी, राजेश तिवारी, अमित माहला, लक्ष्मण सिंह बेस, संजीव मालवीय, विकास नारोलिया, रूपेश राजपूत, विपिन यादव, दीपक महालह, विधायक प्रतिनिधि महेन्द्र यादव, पार्षद बिंदिया मांझी, पार्षद निर्मला हंसराय, प्रशांत पालीवाल, सुमित गौर, कमल चव्हाण, संतोष मीना, योगेन्द्र सोलंकी, सचिन तोमर, सुचित्रा यादव, चंचल राजपूत, वंदना महतो, मनीष परदेशी, हरि शर्मा, धर्मेंद्र जाट, अनूप रिझारिया, वैजन्ती, सौम्या राजपूत, पंकज बरगले, ऋषभ शुक्ल, गुरुकुल के स्वामी सप्तसिंधु जी, ब्रह्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अतिथियों ने आर्ष गुरुकुल परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किया जा रहा यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है।

संक्षिप्त समाचार

हरदा में युवक को पेट में चाकू मारा:आंतें बाहर आ गईं, भोपाल रेफर

हरदा। हरदा में सोमवार शाम छीपानेर रोड स्थित स्वागत गेट के पास एक युवक को चाकू मार दिया गया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे प्राथमिक इलाज के बाद भोपाल रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया, विकास नगर निवासी विशाल पिता संतोष अंकले (23) पुताई का काम करता है। सोमवार शाम करीब 5 :30 बजे श्रीनगर कॉलोनी निवासी रोशन गोड़ ने उसे फोन कर स्वागत गेट के पास मिलने बुलाया। विशाल जब पैदल वहां पहुंचा, तो आरोपी रोशन ने गाली-गलौज करते हुए पीछे से उसके पेट के दाहिनी ओर चाकू मार दिया। चाकू लगने से विशाल की आंतें बाहर आ गईं। घटना के बाद लोगों ने विशाल के परिजनों को सूचना दी। उसके पिता उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे भोपाल रेफर कर दिया।

झाबुआ के युवक की करंट लगने से मौत

हरदा। हरदा जिले के हंडिया थाना क्षेत्र के ग्राम खेड़ा के भीलटोला में सोमवार सुबह करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान झाबुआ निवासी 20 वर्षीय विजेश पिता परम भील के रूप में हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शाम को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों ने बताया कि विजेश तीन दिन पहले अपनी मां धुली बाई और ससुर के साथ भाई के रिश्ते की बात करने यहां आया था। परिवार लड़की पक्ष को राशि देने और रिश्ता तय करने के लिए आया था। विजेश गुजरात में मजदूरी करता था और इसी काम से छुट्टी लेकर घर आया था। वह छह भाई-बहनों में सबसे बड़ा था।

हरदा में दुकानदार को धमकाने वाला युवक गिरफ्तार

हरदा। हरदा शहर में देसी पिस्टल लहराकर दुकानदार को धमकाने का वीडियो एक दिन पहले सामने आया था। सोमवार को पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना छीपानेर रोड स्थित दूध डेयरी क्षेत्र की गली नंबर 1 के पास एक किराना दुकान के सामने हुई थी। वीडियो में युवक दुकानदार से कह रहा है, 'मम्मी इससे माफी मंगवा।' वीडियो में युवक गाली-गलौज भी करता नजर आ रहा है। पास की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में यह पूरी घटना कैद हो गई थी। एसडीओपी शालिनी परस्ते ने बताया कि आरोपी की पहचान सत्तू के रूप में हुई है। आरोपी के पास से बरामद हुई 'पिस्टल' दरअसल एक लाइटर था, जिसे उसने ऑनलाइन मंगवाया था।

नर्मदापुरम कृषि उपसंचालक ने मांगे 1 लाख और ब्लैकडॉग शराब

लाइसेंस बहाल करने के लिए व्यापारी से मांगी रिश्वत, लोकायुक्त टीम ने किया गिरफ्तार

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम में कृषि विभाग के उप संचालक जेआर हेडाऊ को 40हजार रुपए की रिश्वत लेते लोकायुक्त ने पकड़ा। सोमवार शाम 7 बजे लोकायुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई की गई। उप संचालक हेडाऊ ने खाद का सस्पेंड लाइसेंस बहाल करने के नाम पर घूस मांगी थी। खाद बीज विक्रेता राजनारायण गुप्ता द्वारा लोकायुक्त में शिकायत करने के बाद यह कार्रवाई की गई। शिकायतकर्ता राजनारायण गुप्ता कृषि विभाग के रिटायर्ड कृषि विस्तार अधिकारी हैं। रिटायरमेंट के बाद वे अपने भाई की खाद बीज की दुकान का काम देखते हैं। दुकान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके आधार पर हेडाऊ ने जांच के नाम पर लाइसेंस सस्पेंड कर दिया। जब गुप्ता लाइसेंस बहाल कराने के लिए हेडाऊ से मिले, तो उन्होंने एक लाख रुपये की रिश्वत और ब्लैकडॉग शराब की मांग की। इसके बाद गुप्ता ने लोकायुक्त भोपाल के एसपी

दुर्गेश राठौर को शिकायत की। सत्यापन के बाद, लोकायुक्त टीम ने डीएसपी बीएम द्विवेदी के नेतृत्व में सोमवार शाम 7 बजे छापेमारी कर हेडाऊ को गिरफ्तार किया।

कैमरे लगाकर किया ट्रैप: राजनारायण गुप्ता ने बताया की सोमवार की शाम ने कहा शाम 7 बजे जब मैं हेडाऊ के कमरे में पहुंचा तो उन्होंने मुझे बैठाया और बोला इतने लेट आए हो। फिर उन्होंने टेबल के नीचे की ड्राज खोल दी। जिसमें मैंने 40 हजार रुपए रखे। पूरी घटना लोकायुक्त टीम द्वारा लगाए हुए ट्रैप रिकॉर्डर कैमरे में कैद हो गई। गुप्ता ने जैसे ही बाहर आकर कोट उतारा, लोकायुक्त टीम तत्काल उप संचालक के कमरे में पहुंची और घूस के रुपए जब्त किए।

गुप्ता ने कहा कृषि विभाग से रिटायर्ड हूं। बावजूद मुझे भी रिश्वत मांगी जाती रही। 4 साल पहले जब खाद बीज दुकान तभी से छोटी छोटी अनुमतियों के लिए रिश्वत में रुपए मांगते रहे। उप संचालक जेआर हेडाऊ शराब भी मांगते हैं। उन्हें महंगी कंपनी की ब्लैक डॉग शराब चार पांच बार दे चुके हैं। एक बार 5 हजार की रिश्वत भी पहल दे चुके हैं।

आरोपी के खिलाफ रिश्वतखोरी का मामला दर्ज: शिकायत सत्यापन बाद सही पाए जाने पर सोमवार शाम 7 बजे आरोपी उप संचालक कृषि जेआर हेड़ाऊ (51) उपसंचालक कृषि नर्मदापुरम 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन) 2018 की धारा-7, के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है।

क्लर्क ने कहा हमारा ध्यान रखो

राजनारायण गुप्ता ने बताया कि ऑफिस के क्लर्क साहू जो खाद लाइसेंस की शाखा देखते हैं। शाम को जैसे ही साहब को मैंने रुपए डाले। उन्होंने क्लर्क साहू को बुलाया और कहा कि इनका लाइसेंस कल बहाल कर देना। फिर क्लर्क मुझे बाहर लेकर आ गए और बोले कि हमारा भी ध्यान रखा करो।

मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के बाद हुआ सूचियों का वाचन

सिवनी मालवा ■ निसं

मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है इस कार्य में गणना पत्रक के पूर्ण होने के उपरांत जो मतदाता सर्च नहीं हो रहे हैं यह स्थानांतरित हो गए हैं या जो मतदाता नो मैपिंग में है इसी क्रम में सोमवार को विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 136 सेक्टर क्रमांक 15 मैं मतदान केंद्र क्रमांक 158 सोमलवाडा 159छापरखेडा, 160 मकोडिया तथा 165 हिरन खेड़ा के मतदान केंद्र में मतदाताओं की सूची का वचन सेक्टर सुपरवाइजर राम मोहन रघुवंशी की उपस्थिति में संबंधित बीएलओ विनय मसीह, भगवान दास अहिरवार, अशोक लोखंडे, अंकित गौर द्वारा किया गया सूचियो के वाचन में संबंधित मतदान केंद्र के मतदान केंद्र एजेंट मतदान केंद्र 158 सोमलवाडा में जयदीप गौर, त्रिलोकी गौर, रवि गोरेवर, श्याम बाबू मालवी मतदान केंद्र क्रमांक 165 में आशुतोष लिटोरिया वैभव गौर तथा आंगनवाड़ी केंद्र की सहायिका भी उपस्थित रही इसी प्रकार सेक्टर क्रमांक 20 में सेक्टर सुपरवाइजर हरिप्रसाद परेवा की उपस्थिति में सोताचिखली, नररी में समस्त प्रकार की सूचियो का वाचन किया गया जिसमें सभी बीएलओ तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मतदान केन्द्र क्रमांक 24 एवं 25 पर मतदाताओं से चर्चा कर

एसआईआर के कार्य में सर्च नहीं हुये मतदाताओं की लिस्ट का वाचन किया

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में गणना पत्रक के डिसटाईजेसन के उपरांत जो मतदाता सर्च नहीं हो रहें हैं या स्थानांतरित हो गये हैं उनकी जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में होशंगाबाद विधानसभा 137 अंतर्गत ग्राम पंचायत बुधवाडा के मतदान केन्द्रं क्रमांक 24 बुधवाडा एवं मतदान केन्द् क्रमांक 25 आगरा कला का निरीक्षण किया में एसआईआर के कार्य में जो नाम शेष बचे हैं एवं जो सर्च नहीं हो पा रहे हैं उन नामों की सूची का वाचन मतदान केन्द्र पर किया गया। साथ ही ग्रामीणों से नाम सर्च कराने के लिय सहयोग की अपेक्षा भी की। मतदाता सूची वाचन के दौरान बीएलओ अनीता शर्मा एवं अमिता गौर सहित ग्राम के सरपंच श्री राम दुलारे यादव, मांगीलाल यादव भूतपूर्व सरपंच, लीलाधर बरेले पंच, संतोष मेहरा ग्राम कोटवार, किरण राजेरिया आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कृष्णा कुशवाहा आंगनवाडी सहायिका शिक्षक अंजू लता तिवारी, पज्ञा शर्मा, सुनील गौर, ग्राम के चंद्राबाई सविता यादव सुनील सेलुकर सहित दर्जनों मतदाता दोंनों मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहे।

पचमढ़ी में पारा 5.2 रिकॉर्ड, नर्मदापुरम भी ठिठुरा

नर्मदापुरम। बर्फीली हवाओं की वजह से नर्मदापुरम समेत पूरा मप्र ठिठुर रहा है। सूर्यास्त के साथ शाम होते ही कंपकपाने वाली ठंड पड़ रही है। रविवार-सोमवार की रात को एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी प्रदेश में सबसे अधिक ठंडा रहा। यहां पारा 5.2 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी में सुबह से ओस की बूंदें पेड़ों की पत्तियों पर जम रही। पिछले दो दिनों से रात के न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, जिले में अगले चार से पांच दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रह सकता है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. शिल्पा आप्टे ने बताया कि वर्तमान में मौसम में बहुत अधिक परिवर्तन की संभावनाएं नहीं हैं। उन्होंने बताया कि रविवार को नर्मदापुरम में सुबह के समय जो बादल बने रहे, वे दोपहर तक समाप्त हो जाएंगे। ऊपर की ओर अधिक गर्म हवाओं और नीचे के तापमान में गिरावट के कारण ये बादल निर्मित होते हैं। सूर्य की किरणें तेज होने पर ये समाप्त हो जाते हैं।

राज्य शिक्षक संघ ने राज्य शिक्षा सेवा में

नियुक्त शिक्षक संवर्गो की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

सिवनी मालवा ■ निसं

राज्य शिक्षक संघ के द्वारा राज शिक्षा सेव मैं नियुक्ति शिक्षक संवर्गों में समस्या को लेकर सोमवार के दिन मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि राज्य शिक्षा सेवा में अध्यापक संवर्ग की नियुक्ति एक जुलाई 2018 से की गई है । नियुक्ति दिनांक के बाद से ही अभी तक अध्यापक संवर्ग से नियुक्त शिक्षकों की वरिष्ठ तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बरकरार है नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठ न मिलने के कारण अनेक लाभों से वंचित होना पड़ रहा है। अध्यापक संवर्ग को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ दिया जाए। सरकारी विद्यालयों के शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय जाकर निष्ठापूर्ण कार्य करते हैं इसी का विद्यालयों के बच्चे स्थान बनाते हैं। इसलिए नियमित उपस्थिति परिणाम है कि प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शासकीय के लिए अव्यवहारिक ई अटेंडेंस व्यवस्था को बंद किया जाए। ज्ञापन देने वालों में निशांत पाठक हरगोबिन्द गौर पंकज परसाई विजयसिंह राजपूत शिक्षक दयाराम यादव राजेन्द सिह हरि ओम पाल तारण पाटिल आदि।

नर्मदापुरम में इलाज के नाम पर धर्मांतरण की आशंका

आर्थिक लालच देकर मत परिवर्तन के आरोप, उग्र आंदोलन की चेतावनी

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के ग्राम जमुनिया में रविवार को रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक मकान में प्रार्थना के लिए जुटे आदिवासी ग्रामीणों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। जानकारी के अनुसार, आदिवासी महिला-पुरुष शैतान बाधा दूर कराने और बीमारियों का इलाज करवाने के लिए यहां पहुंचे थे, जहां क्रिश्चियन समुदाय से जुड़े एक व्यक्ति द्वारा विशेष प्रार्थना कराई जा रही थी। इसी दौरान विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और धर्मांतरण की आशंका व्यक्त करते हुए प्रार्थना पर आपत्ति दर्ज कराई। विहिप पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि आदिवासी समुदाय के लोगों को इलाज और चमत्कार के नाम पर धर्म परिवर्तन की ओर ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। विहिप पदाधिकारियों द्वारा बनाए गए वीडियो में एक महिला झूमती हुई दिखाई दी, जबकि दूसरी महिला ने कहा कि उसके शरीर पर 'शैतान का असर' हो रहा है। गांव के कई लोग प्रार्थना कराने वाले व्यक्ति के पास बीमारी दूर करने की उम्मीद में पहुंचे थे। विहिप और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने सेमरी हरचंद पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि ग्राम जमुनिया में पाश्चर भागचन्द्र राज अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को आर्थिक लालच और चमत्कारिक उपचार के दावा कर धर्मांतरण की दिशा में प्रेरित कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह मध्यप्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2021 का संभावित उल्लंघन हो सकता है।

महाविद्यालय टीम द्वारा भ्रमण कर माध्यमिक विद्यालयों में नई शिक्षा नीति तर्क प्रदान करने की क्षमता विकसित करती है

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर की शासकीय कुसुम महाविद्यालय की टीम द्वारा कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत सोमवार को ग्राम हिरण खेड़ा, सोमलबाड़ा, ज्ञान रत्न स्कूल में महाविद्यालय टीम द्वारा भ्रमण किया गया ।हिरण खेड़ा और सोमलबाड़ा स्कूल में डॉ मोहन सिंह गुर्जर द्वारा महाविद्यालय में बीए, बीकॉम, एवं बीएससी एडमिशन की ऑनलाइन प्रक्रिया, महाविद्यालय में छात्रवृत्ति योजनाओं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, प्रतिभा किरण, गांव की बेटी, मेधावी योजना, संबल योजना एवं आवास योजना की जानकारी प्रदान की गई द्य साथ ही महाविद्यालय की ई ग्रंथालय एवं शूटिंग रेंज की जानकारी प्रदान की गई ।

साथ ही महाविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की जानकारी प्रदान की गईद्य श्री प्रेम नारायण परते द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के मेजर, माइनर एवं बहु विषयक पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी प्रदान की गई द्य श्री कमल सिंह अहिरवार द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, विवेकानंद कैरियर स्मार्ट क्लास रूम, एवं महाविद्यालय की कंप्यूटर लैब आदि के बारे में जानकारियां प्रदान की गई द्य साथ ही महाविद्यालय में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रम, अन्य विश्वविद्यालय की शिक्षण केंद्र आदि के बारे में जानकारी छात्र-छात्राओं को प्रदान की गई द्य इसके साथ ही स्कूल स्टाफ हिरण खेड़ा एवं सोमलबाड़ा के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ ।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी. गोयल। मो. 9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।